राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 26 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-157 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हम ओबीसी के हितों की रक्षा नहीं कर पाए: राहुल

● कांग्रेस नेता ने मानी अपनी गलती, कर दिया बड़ा वादा

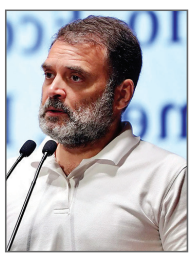

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वह ओबीसी हितों की उतनी रक्षा नहीं कर पाए, जितनी उन्हें करनी चाहिए थी। राजधानी दिल्ली में आयोजित 'भागीदारी न्याय महासम्मेलन' में संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, जातिगत जनगणना ना करवा पाना मेरी गलती है। मैं अब इसे सुधारना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित सभी राज्यों में जातिगत जनगणना करवाई जाएगी। राहुल गांधी ने कहा, मेरा उद्देश्य देश की उत्पादक शक्ति को सम्मान दिलाना है। ओबीसी, दलित, आदिवासी देश की उत्पादक शक्ति हैं, लेकिन उन्हें अपने श्रम का फल नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और बीजेपी ने जानबूझकर ओबीसी का इतिहास मिटाने की कोशिश की है। इससे पहले भी राहुल ने ऐसा बयान दिया है।

● ड्रोन से दागी लक्ष्यभेदी मिसाइल

सटीक रहा हमला

भारत की सैन्य ताकत में बड़ा इजाफा,कमाल की मारक क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए ड्रोन से लॉन्च की जाने वाली लक्ष्यभेदी मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी 3 का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान

एवं विकास संगठन द्वारा आंध्र प्रदेश के कर्नूल स्थित नेशनल ओपन एरिया रेंज में किया गया। इस रेंज को नोअर भी कहा जाता है। यह मिसाइल आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है, जिसमें दुश्मन के ठिकानों को न्यूनतम जोखिम के साथ नष्ट करने की क्षमता शामिल है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने अपनी गति, सटीकता और लक्ष्य को नष्ट करने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ और इसके पार्टनर्स को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत की रक्षा क्षमताओं को एक बड़ा बढ़ावा मिला है। डीआरडीओ ने यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल के फ्लाइट ट्रायल को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए डीआरडीओ, उनके उद्योगिक साझेदारों, डेवलपमेंट कंपीटेंट प्रोडक्शन पार्टनर्स, एमएसएमईएस और स्टार्टअप्स को बधाई। यह सफलता दर्शाती है कि भारतीय उद्योग अब महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकों को आत्मसात करने और उत्पादन करने में सक्षम है। वी-3 का यह वर्जन पूर्ववर्ती वी 2 वेरिएंट का एडवांस रूप है।

राजस्थान में दर्दनाक हादसा

8 बच्चों की मौत

झालावाड़ (एजेंसी)। राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 8 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 27 घायलों में से 8 की हालत गंभीर हैं। ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। गांववालों ने बताया- वहां सुबह से बारिश हो

● झालावाड़ जिले में स्कूल की बिल्डिंग गिरने से चली गई जान

● छात्रा बोली-पहले कंकड़ गिरे, लेकिन शिक्षक ने ध्यान नहीं दिया

मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी, वहीं 3 रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया, ताकि वे भीगे नहीं। इसके कुछ देर बाद छत गिर गई और 35 बच्चे दब गए। गांववालों ने बताया कि इस स्कूल में कुल 7 क्लासरूम है। हादसे के दौरान स्कूल के क्लासरूम में 71 बच्चे थे। स्कूल में 2 टीचर भी मौजूद थे, लेकिन छत गिरने के वक्त बिल्डिंग से बाहर थे, वे सुरक्षित हैं। स्कूल में पढ़ने वाली बच्ची वर्षा राज क्रांति ने बताया की छत गिरने से पहले कंकड़ गिर रहे थे, बच्चों ने बाहर खड़े टीचर्स को इसकी जानकारी दी, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान ही नहीं दिया और थोड़ी देर बाद ही छत गिर गई।

स्कूल के कुक व हेल्पर श्रीलाल भील ने बताया कि करीब 3 दिन पहले स्कूल की 10 दिन के लिए छुट्टी करने की बात सामने आई थी, लेकिन एक दिन की छुट्टी के बाद स्कूल फिर खोल दिया गया। कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ के मुताबिक स्कूल शिक्षा विभाग को पहले ही निर्देश दिए गए थे कि जो भी जर्जर भवन हो वहां स्कूलों की छुट्टी कर दी जाए, लेकिन खुद कलेक्टर कह रहे हैं कि न तो यह स्कूल जर्जर भवन की सूची में था और न ही यहां बच्चों की छुट्टी की गई।

देश को चौबीस घंटे और 365 दिन सैन्य तैयारी रखनी होगी

● सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान,युद्ध में कोई उपविजेता नहीं ● कहा-ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उदाहरण है, जो अभी भी जारी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और देश की सैन्य तैयारी चौबीसों घंटे और पूरे वर्ष बहुत उच्च स्तर पर बनी रहनी चाहिए। राजधानी दिल्ली के सुब्रतो पार्क में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी में अपने संबोधन में, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में सेना को सूचना योद्धाओं, प्रौद्योगिकी योद्धाओं और विद्वान योद्धाओं की भी जरूरत होगी।

सीडीएस ने कहा, और युद्ध के इस बदलते परिदृश्य में भविष्य के सैनिक को सूचना, तकनीक और विद्वान योद्धाओं तीनों का मिश्रण होना आवश्यक होगा। सीडीएस ने कहा कि युद्ध में कोई उपविजेता नहीं होता है, और किसी भी सेना को लगातार सतर्क रहना चाहिए और उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखनी चाहिए। जनरल चौहान ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उदाहरण है, जो अभी भी जारी है।

देश में जहर बांट रहे हैं आरएसएस और बीजेपी के लोग : मल्लिकार्जुन

● कहा-नरेंद्र मोदी हैं झूठों के सरदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित भागीदारी न्याय सम्मेलन में पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झूठों के सरदार हैं। झूठ बोलना ही उनका काम है। उन्होंने देश से झूठ बोला कि हर साल युवाओं को 2 करोड़ नौकरी दूंगा, विदेश से कालाधन लाऊंगा। सबको 15-15 लाख दूंगा। किसानों को फायदा दूंगा। बैकवर्ड क्लास की आमदनी बढ़ा दूंगा। नरेंद्र मोदी संसद तक में झूठ बोलते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगे कहा कि आरएसएस-बीजेपी के लोग जहर बांटते हैं। ये लोगों को आपस में बांटने का काम करते हैं, लेकिन हमें एकजुट रहना है। हिम्मत के साथ कांग्रेस पार्टी का साथ देना है। जिस तरह से आजादी के समय लोगों ने साथ दिया था, वैसे ही आप लोगों को हमारा साथ देना है।

देशभक्ति दिखाएं, गाजा की बजाय यहां ध्यान दें

● वामपंथी दल को मुंबई हाईकोर्ट ने दी मुफ्त की नसीहत

मुंबई (एजेंसी)। गाजा में इजरायल की ओर से किए जा रहे कथित नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति के लिए वामपंथी दल सीपीएम ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। पार्टी को अदालत ने प्रदर्शन की अनुमति तो नहीं दी, लेकिन यह नसीहत जरूर दी कि हजारों मील दूर के किसी मसले की बजाय भारत के किसी मुद्दे पर

ध्यान दे। सीपीएम की मांग थी कि उसे आजाद मैदान पर प्रदर्शन की अनुमति दी जाए, जिससे मुंबई पुलिस ने इनकार कर दिया है। जस्टिस रविंद्र घुगे और गौतम अखंड की बेंच ने अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि आपको हजारों मील दूर के किसी मसले की बजाय ऐसे मसलों पर ध्यान देना चाहिए, जिनका भारत पर असर होता हो। बेंच ने कहा,हमारे ही देश में तमाम मुद्दे हैं। हम ऐसा कुछ नहीं कहना चाहते हैं। मैं माफी चाहूंगा, लेकिन यह सही है कि आप लोगों की दूरदृष्टि नहीं है। आप लोग गाजा के मुद्दों को देख पा रहे हैं। फिलिस्तीन की चर्चा कर रहे हैं। अपने ही देश में देखिए। देशभक्त बनें। यह देशभक्ति नहीं है।

कॉलेजियम के बताए नामों को मंजूरी नहीं दे रहा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति

● सुप्रीम कोर्ट नाराज, कई जजों की नियुक्ति भी अटकी

के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों को मंजूरी देने में देरी पर गहरी चिंता व्यक्त की। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह मुद्दा प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है।

वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने इस मामले को उठाते हुए बताया कि कुछ जजों के नाम 2019 से केंद्र सरकार के पास लंबित हैं। उन्होंने कहा, ये नाम चार साल से लंबित हैं, जिसके कारण उम्मीदवारों की

वरिष्ठता प्रभावित हो रही है। दातार ने जोर देकर कहा कि सरकार को कॉलेजियम की सिफारिशों को तीन-चार साल तक लंबित नहीं रखना चाहिए और समय-सीमा का पालन करना आवश्यक है। इसी के साथ उच्चतम न्यायालय ने कॉलेजियम द्वारा सिफारिश किए जाने के बाद केंद्र सरकार की ओर से की जा रही देरी पर सवाल उठाने वाली कई याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वह दो हफ्ते बाद इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने इन याचिकाओं को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। पीठ ने कहा कि ये याचिकाएं 2023 में सूचीबद्ध थीं, लेकिन अचानक इन्हें वाद सूची से हटा दिया गया।

दातार ने कहा, ''कुछ न्यायाधीशों के नाम 2019, फिर 2020 और 2022 में दोहराए गए थे, लेकिन अब तक उन्हें मंजूरी नहीं मिली है। न्यायालय में हर स्तर पर निर्णय लेने की एक निश्चित समय सीमा होती है। कुछ हफ्तों की देरी तो समझ में आती है, लेकिन चार साल की देरी बिल्कुल भी समझ से परे है।''

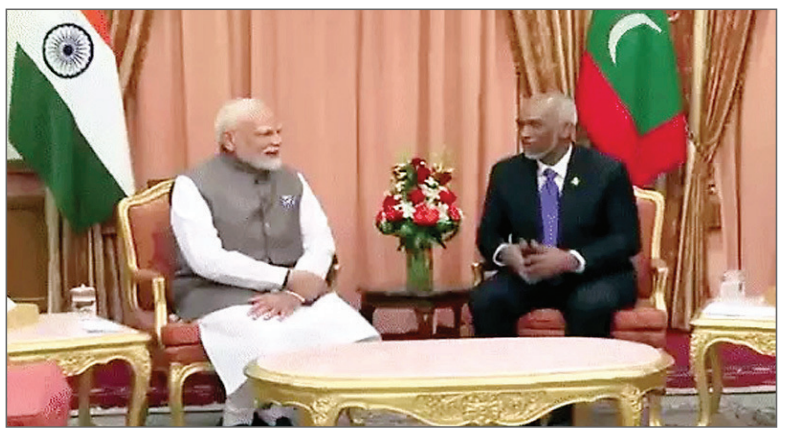

मालदीव पहुंचे पीएम मोदी

● राष्ट्रपति मुइज्जू ने एयरपोर्ट पर किया जबरदस्त स्वागत

दोनों नेता गले मिले,पीएम मोदी भारतीय समुदाय से मिले

माले (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के दौरे पर मालदीव पहुंच गए हैं। उनका स्वागत करने के लिए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू लेने एयरपोर्ट पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गले भी लगाया। एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत में स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य भी किया। मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और भारतीय मूल के बच्चों की डांस परफॉर्मेंस भी देखी। इसके बाद दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय मीटिंग भी की। मोदी की यह तीसरी मालदीव यात्रा है। वे यहां मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के न्योते पर आए हैं। इससे पहले मुइज्जू ने राष्ट्रपति चुनाव में इंडिया आउट का नारा दिया था। चुनाव जीतने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई थी। हाल के दिनों में संबंधों में सुधार देखने को मिला है। मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 60 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया जाएगा।

1000 साल पुराने 2 शिव मंदिरों पर थाईलैंड-कंबोडिया में जंग

अब तक 16 की मौत,थाईलैंड ने बॉर्डर इलाकों से 1 लाख लोगों को हटाया

बैंकॉक/नोम पेन्ह (एजेंसी)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 1000 हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष दूसरे दिन भी जारी है। शुक्रवार सुबह दोनों देशों के सैनिकों ने बॉर्डर पर फायरिंग की। थाई सरकार ने आज बताया कि 1 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ने के लिए मजबूर हो चुके हैं। अब तक थाईलैंड के 15 लोगों की मौत हुई है। इसमें 1 सैनिक और 14 आम लोग हैं। 46 लोग घायल हुए हैं। अभी तक कंबोडिया की तरफ से मृतकों या घायलों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं बताई गई है। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स में 1 शख्स के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। थाईलैंड और कंबोडिया का इतिहास लंबे समय तक खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) और सियाम साम्राज्य (थाईलैंड) के बीच टकरावों से जुड़ा रहा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव

बीजेपी के सामने दो चुनौतियां,पार करना होगा टेढ़ी खीर

इस्तीफा देकर भी 'मुसीबत' खड़ी कर गए धनखड़!

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति के पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग ने रिटर्निंग ऑफिसर का ऐलान कर दिया है। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन में भी इस पद को लेकर सलाह मशविरा शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सरकार के दबाव में ही जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है। हालांकि इस्तीफा देकर भी वह बीजेपी के लिए दो चुनौतियां छोड़ गए हैं। पहली चुनौती तो यह है कि इस बार उम्मीदवार का चयन करने में बीजेपी को सतर्क रहना होगा। बीजेपी किसी ऐसे व्यक्ति का चयन करना चाहेगी जिसकी विचारधारा पार्टी से एकदम मेल खाती हो। दूसरी चुनौती यह है कि विपक्ष भी इस चुनाव में अपना उम्मीदवार उतार सकता है। दोनों सदनों को मिलाकर इस चुनाव में 782 सांसदों का इलेक्टोरल कॉलेज होगा। इसमें एनडीए के 425 सांसद हैं। जगदीप धनखड़ ने

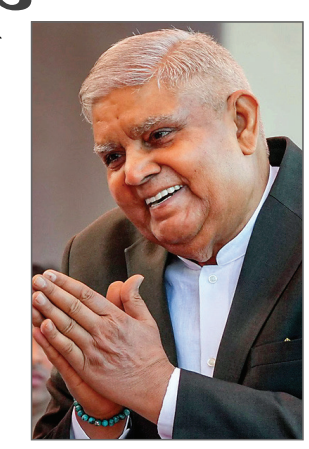

अपना राजनीतिक सफर 1991 में जनता दल के सांसद के तौर पर शुरू किया था। बाद में उन्होंने कांग्रेस जॉइन कर ली और फिर बीजेपी में आ गए। जगदीप धनखड़ सुप्रीम कोर्ट में एक सीनियर वकील थे। ऐसे में बीजेपी का उनपर ध्यान गया और उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया। राज्यपाल रहते हुए उनकी ममता बनर्जी सरकार के साथ ठनी ही रहती थी। 2022 में जगदीप धनखड़ को एनडीए ने अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया। जगदीप धनखड़ कई मामलों को लेकर मुखर रहते थे। वहीं वह पारंपरिक तरीके से काम करने की जगह सवाल उठाते रहते थे। कई बार उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर भी टिप्पणी की। वहीं जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर सार्वजनिक मंचों पर भी राय रख चुके थे। जब उन्होंने विपक्ष द्वारा प्रस्तावित मोशन पर यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तो यह सरकार को भी रास नहीं आया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कारगिल युद्ध के नायकों के शौर्य और वीरता को नमन

पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(26वें कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) पर विशेष)

26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ। भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

सख्ती जरूरी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

देश के लिए रूस का योगदान अहम् है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

हमें हमेशा ईमानदारी से मेहनत से काम करना चाहिए फल जरूर मिलेगा जब बिहार विधानसभा में तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के बीच तकरार हुआ तो दोनों में बहसाबहसी हुई और सभापति ने आरजेडी के विधायक से उनके शर्मनाक ब्यवहार से माफी मांगने क़ो कहा, उधर जन सुराज पार्टी के नेता डॉ प्रशांत किशोर कहीं सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कहीं कुछ भी बोलना ठीक नहीं है मुस्लिम वोट के लिए उन्होंने उनकी सभा में ऐ तक कह दिया कि आप अल्पसंख्यक नहीं हो आपकी आबादी 20 करोड़ के पास है अतः हक़ मांगो देखिए बिहार बहुत ही चालक राज्य है चुनाव में भाषण देना आसान है लेकिन वोट लेना बहुत मुश्किल है क्योंकि इतने सालों बाद भी बीजेपी अपना सरकार नहीं बना पा रही है यानि एनडीए बहुत मुश्किल से टिकी है अतः नीतीश कुमार क़ो उम्र के हिसाब से कमजोर समझना भूल होगी क्योंकि उनका बिहार में महिलाओ का एक बड़ा वर्ग उसके समर्थन में वोट देती है इसका कारण है पूर्व के लालू सरकार के शासन काल जिसमें उस जंगलराज में शाम होते ही महिलाओ का निकलना मुश्किल होता है आरजेडी का बड़ा वोट बैंक मुस्लिम और अनुसूचित जाति का है चाहे कितना भी भाषण दे दें बिहार में आरजेडी क़ो मुस्लिम का वोट मिलता है जब स्व राम विलास पासवान जो उस समय मुस्लिमों के बड़े चहेते थे उन्होंने यहाँ तक कह दिया था जब 2005 में 30 सीट लाकर त्रिसूँक परिणाम आए तो कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री होगा तो मुस्लिम ही होगा जब उन्हें बहुत रैली के बाबजूद 30 सीट ही मिली थी जहाँ एक ही नारा हर जगह चलता था एक आस रामविलास बाद में आरजेडी के साथ लोजपा का बिहार में गठबंधन हुआ और एनडीए के पक्ष में सरकार बनी थी हालांकि उस समय राजगीर में जेडीयू, बीजेपी के साथ लगभग सरकार बनाने की स्थिति में थी लेकिन उस समय कॉंग्रेस के नेता बूटा सिंह बिहार के राज्यपाल थे और उस समय के राष्ट्रपति डॉ कलाम साहब विदेश में थे उन्होंने फैक्स के माध्यम से राज्यपाल के प्रस्ताव पर बिहार में राष्ट्रपति शासन की मंजूरी दे दी तभी से बिहार के पढ़े लिखे लोगों क़ो ऐ निर्णय सही नहीं लगा और बाद में एनडीए की सरकार बनी उस समय बड़े बड़े वकील यहाँ तक न्यायधीश के व्यक्तिगत राय थी कि एक चुनी हुई पार्टी क़ो सदन में बहुमत सिद्ध करना होता है कि ना की राजगीर में अतः राष्ट्रपति शासन वो भी विदेश से फैक्स के माध्यम से लगाना न्यायपूर्ण नहीं है और इसका फायदा नीतीश कुमार की अगुवाई में पूर्ण बहुमत से बनी क्योंकि उस समय ईवीएम से चुनाव हुआ अतः पारदर्शिता थी जिस समय टी एन शेषण चुनाव आयूक्त थे उस दौर में खासकर गरीब महिलाओ का घर से निकलने पर कहीं जेवर लूट लेते कहीं चोरी कहीं बलात्कार होता और प्रशासन उसे राजनीती दबाव में कुछ नहीं कर पाती यहाँ तक की बदमाश लड़के प्यार के शौक में लड़की के घर भी घुस जाते थे बिहार में एक तरफ अपराध उस समय चरम सीमा पर था क्योंकि हर दिन कुर्सी का ऐसा नशा था कि गाड़ी चोरी होती कहीं और और मिलता राजनेता के पास, दिन दहारे लूट और हंगामा करने पर गोली चला देना ऐ गुंडाराज ही था जिससे बिहार की बदनामी दूसरे राज्य में होती और जब 2005 में एनडीए की सरकार बनी तो मातम परसा पटना में और खुश हुआ दूसरे राज्य के लोग उस समय लोग ऐ कहते नजर आने लगे कि क्या भाई लालटेन की लौ बुझा दि लालू जी का जो बोलने का अंदाज था वो दूसरे राज्य के लोग उसका मज़ाक उड़ाते नजर आते थे आज वो खुद ही स्वास्थ से लाचार नजर आते हैं इसलिए बुराई का अंत निश्चित है क्योंकि उसे भगवान राम देख रहें होते हैं और बिहार में भगवान राम क़ो मानने वाले लोगो की संख्या बहुत अधिक है क्योंकि वहाँ गरीबी है मुझे याद है कि एक बेदाम बेचने वाला क़ो 1रूपये की कम देकर आधा तो खा गया और बोलने पर उस समय 30 रूपये की गोली चला कर उसकी हत्या कर दि गई इसलिए वहाँ एक छत्र राज्य करना मुश्किल है बिहार गुरू गोविन्द सिंह की जन्मभूमि है इसलिए इतना आसान नहीं है अपराध करना क्योंकि बाद में मिट्टी में मिल जायेंगे यदि आज अपराध किया तो सज़ा मिलना तय है अतः वोटर संसोधन सही है या गलत न्यायलय इसका फैसला करेगा आज कल देश के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़जी का इस्तीफा देना एक मुद्दा बना हुआ है जो देश का दूसरा सर्वोच्च पद है देखिए जब तक सच्चाई सामने नहीं आती इस पर बोलना ठीक नहीं है क्योंकि वो एक सम्मानीय पद है इसे तुरंत विपक्ष ने लपक लिया और मीडिया में आने से विदेश में इसका बुरा असर पड़ता है फिर अमेरिका के राष्ट्रपति कहेंगे मैंने ही इस्तीफा दिलाया, ऐ बात सही है ऑपरेशन सिंदूर में सेना के हिसाब से चलना चाहिए लेकिन ट्रम्प कहाँ से सीजफायर का ऐलान किये ऐ सही नहीं है क्योंकि अमेरिका भारत क़ो कभी अपना सच्चा दोस्त नहीं माना है यदि ऐसा होता तो अमेरिका में बसे भारतीय नागरिक जो डंकी रुट या वीसा रद्द होने पर उसक़ो इसतरह हथकड़ी पहना कर गुरू के पावन भूमि अमृतसर में कार्गो प्लेन में नहीं भेजता भारत में भी बहुत से लोग अवैध रूप से पकड़े जाते हैं लेकिन उन्हें उस तरह नहीं भेजा जाता है पाकिस्तान का सपोर्ट अमेरिका करता है उसे लोन दिलाया और इतना तो समझो की उसके पास अधिकतर फाइटरजेट अमेरिका ने ही दिए है और वो भी इस तरह की आतंकवादी क़ो ख़त्म करने के लिए, जो भारत के खिलाफ युद्ध में इस्तेमाल करता है यही बात अगर रूस के राष्ट्रपति पुतिन कहे होते तो इतनी नाराजगी नहीं होता क्योंकि रूस भारत का अपना सगा भाई जैसा है उसने कभी पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसीर मुनीर क़ो लंच पर नहीं बुलाया ब्रह्मोस मिशायल भारत और रूस का मिला जुला मिसायल तकनिकी है और आप इतिहास उठाकर देखें तो रूस अपना बड़ा भाई जैसा देश नजर आएगा चाहे वो हथियार या अन्य क्षेत्र में विकास क़ो देखें लेकिन ऐसा क्या हुआ कि उनसे हमारे रिश्ते सही नहीं बन पाये इसे गंभीरता से लेना चाहिए दो नाव पर सवार नहीं किया जा सकता अतः रूस का साथ ही भारत के लिए सबसे बेहतर है क्योंकि वो कभी भारत में सभ्य तरीके से बात करता है और दादागिरी नहीं दिखाता है पोखरण -2 परमाणु परीक्षण से लेकर भारत पाकिस्तान युद्ध जो स्व इंदिरा गाँधी के समय में लड़ा गया उस समय वर्तमान सरकार के साथ था रूस, रूस का हर मामलों में भारत से हमेशा एक मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रहा है जिससे सेना का मनोबल बढ़ा है अतः हमें इस सम्बन्ध में बहुत समझदारी से काम लेना चाहिए देश सर्वोपरि है और सेना का मनोबल कभी टूटे नहीं और अमेरिका का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि उसने हमें भाई की दृष्टि से नहीं व्यापार की दृष्टिकोण से देखा है सेना के अपने तरह से काम करने देने की पूर्ण आजादी मिले और देशहित में निर्णय हो वो तो किसी समय तत्कालीन रक्षा मंत्री स्व मनोहर परिकर का रूस से ख़रीदा गया एस 400 डिफेन्स सिस्टम था कि दुश्मन के अस्त्र क़ो हवा में ही मार गिराया ।

चिंतन मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

विचार मंथन

रेहड़ी, फल और छोटे कारोबारियों को जीएसटी के लाखों रूपयों वसूली के नोटिस

(लेखक- सनत जैन)

डिजिटल इंडिया का सपना आज आम आदमी के लिए हकीकत बन चुका है। यूपीआई, फोन-पे, गूगल-पे जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए भुगतान अब केवल बड़े शॉपिंग मॉल्स तक सीमित नहीं रहा। चाय की टपरी, समोसे के ठेले, फल-सब्जी की रेहड़ियों फेरी और दूधवालों को मोबाइल के जरिए ऑनलाइन भुगतान हो रहा है। यह भुगतान 10 रूपये से लेकर 100- 200 रुपए के बीच होता है। इसी डिजिटल सुविधा के जरिए सरकार ने छोटे कारोबारियों के लिये टैक्स का जाल बिछा दिया है। रोजाना छोटे-छोटे से कारोबार करने वाले, जो झोपड़िया में रहते हैं। बामुश्किल 15 से 20000 रूपया महीना कमा पाते हैं। वह जीएसटी के जाल में फंसकर तड़पने के लिए मजबूर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' बताकर इसका विरोध किया था। जीएसटी टैक्स अब एक नए रूप में उभरा है। जो गरीबों को आतंकित कर रहा है। गरीबों ने सोचा भी नहीं था, जीएसटी के उन्हें नोटिस मिलेंगे। लाखों रुपए की टैक्स डिमांड की जाएगी। उनके पास कल खाने के लिए भी कोई ठिकाना नहीं है। वह जो छोटा-मोटा कारोबार करते हैं, ग्राहकों से जीएसटी वसूल नहीं किया। अब सरकार उनसे जीएसटी के रूप में लाखों रुपए टैक्स के रूप में मांग रही है। बेंगलुरु जैसे शहर में ऑनलाइन भुगतान के खिलाफ आंदोलन शुरू हो गया है। लोगों ने ऑनलाइन भुगतान लेना बंद कर दिया है। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान नगदी भुगतान के स्थान पर डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया था। छोटे से बड़े सभी लोगों ने डिजिटल भुगतान को स्वीकार कर लिया था। अब यही डिजिटल भुगतान गरीबों के गले में फांसी के फंदे की तरह लटक गया है। जीएसटी का नियम कहता है, सालाना 20 लाख रुपये की बिक्री करने वालों को जीएसटी के का लायसेंस लेना होगा। जीएसटी का कानून टर्नओवर पर आधारित है। दूध बेचने वाले फल सब्जी बेचने वाले रोड में चाय और समोसे बेचने वाले जो झोपड़िया में रहते हैं। बामुश्किल 10 से 12 घंटे की मेहनत करने के बाद 10 से 15000 रुपये महीने कमा पाते हैं। पिछले 10 वर्षों में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। छोटे-छोटे कारोबारियों ने डिजिटल भुगतान के लिये बैंक से क्यूआर कोड लेकर भुगतान लेना शुरू कर दिया था। जीएसटी कानून में यह नहीं देखा जा रहा है, यह रेहड़ी, ठेले, फल या सब्जी बेचने वाले कितना मुनाफा कमा रहे हैं। सुबह से शाम तक कड़ी मेहनत के बाद सालभर में 20 लाख की बिक्री करने वाला गरीब व्यक्ति मुश्किल से 2-3 लाख सालाना की कमाई कर बामुश्किल से अपने परिवार का पेट पालते हैं। बच्चों को स्कूल भी नहीं भेज पाते हैं। उन्हें बैंक में हुए लेनदेन के आधार पर 18ब जीएसटी का नोटिस भेजा जा रहा है। उन गरीबों से लाखों रुपए की टेक्स डिमांड की जा रही है। कुछ मामलों में जीएसटी के अधिकारियों ने 10 लाख रुपये तक की टैक्स देनदारी के नोटिस भेजे हैं, जो पूरी तरह से अमानवीय और असंगत है। ऐसा टेक्स मुगल शासको और अंग्रेजों ने भी गरीबों से कभी नहीं वसूला, जो वर्तमान सरकार द्वारा वसूल किया जा रहा है। यूपीआई का जाल गरीबों की गर्दन में फांसी फंदा बन गया है। ग्राहक 10 रूपये का धनिया लेते हैं, 20 रूपये की जलेबी या 30 रूपये की सब्जी का यूपीआई से पेमेंट कर देते हैं। छोटे कारोबारियों को यह पता नहीं था, ऑनलाइन पेमेंट के आधार पर उनसे जीएसटी वसूल किया जाएगा। उसका हर लेनदेन बैंक खाते में दर्ज हो रहा है। जीएसटी डिपार्मेंट ने इसी रिकॉर्ड्स को आधार बनाकर, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीबों के ऊपर टैक्स आरोपित कर उन्हें एक ही झटके मे अपराधी बना दिया है। जो टैक्स इन गरीबों ने ग्राहकों से वसूला ही नहीं, वह इन गरीबों से वसूल किया जा रहा है। इन्हें ना तो जीएसटी कानून की जानकारी है। ना यह इतने पढ़े लिखे हैं, कि वह हिसाब किताब रख पायें। सरकार ने एक ही झटके में इन्हें बड़ा व्यापारी मानकर लाखों रुपए की टैक्स डिमांड कर ली है। गरीबों को अब लगने लगा है, सरकार सही कहती है। भारत में ना तो गरीबी है, और ना महंगाई है। ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से अब गरीब से गरीब आदमी भी लखपति कारोबारी बन गया है। सवाल यह है, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के नाम पर सरकार छोटे कारोबारियों को टैक्स के दायरे में लाकर उनका अस्तित्व खत्म कर देगी? क्या टैक्स आतंक का यह नया दौर 'विकसित भारत' की नई तस्वीर है? सरकारी कानून बनाकर क्या कागजों के माध्यम से गरीबी खत्म की जा सकती है। सरकार का यह कोई नया जादू है। जिसमें गरीब भी अमीर बन रहा है। सरकार को चाहिए, वह बिक्री और मुनाफे में स्पष्ट अंतर करे। जीएसटी की सीमा और नियमों को यथार्थ के आधार पर संशोधित करे। छोटे कारोबारियों को जीएसटी बनाम गब्बर सिंह टैक्स से राहत दे। ऑनलाइन भुगतान से अब आम छोटे कारोबारी बुरी तरीके से डर गए हैं। बेंगलुरु से जो आंदोलन शुरू हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएसडीएल का आईपीओ 30 जुलाई से खुलेगा

नई दिल्ली । नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने अपने 4,011 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 760 से 800 प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशक 29 जुलाई को ही बोली लगा सकेंगे। आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल पर आधारित है, जिसमें 5.01 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इससे कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश नहीं मिलेगा। शेयर बेचने वालों में एनएसई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईडीबीआई बैंक, यूनियन बैंक शामिल हैं। इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधकों में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं।

एम्बेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी ने 2,000 करोड़ के एनसीडी जारी किए

नई दिल्ली । एम्बेसी ऑफिस पार्क्स (आरईआईटी) ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर 2,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह एनसीडी 10 वर्ष की अवधि के लिए जारी किए गए हैं, जिनकी कूपन दर पहले पांच वर्षों के लिए 7.25 फीसदी और अगले पांच वर्षों के लिए 7.45 फीसदी है। कंपनी ने इस राशि का उपयोग अपने मौजूदा ऋणों के पुनर्वित्त और ब्याज लागत बचाने के लिए किया जाएगा। इस निर्गम में बीमा कंपनियां, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड सहित 15 से अधिक संस्थागत निवेशकों ने भाग लिया। एम्बेसी आरईआईटी भारत का पहला सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट है, जिसके पास 5.11 करोड़ वर्ग फुट से अधिक कार्यालय क्षेत्र है। यह कार्यालय पार्क बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर और चेन्नई में फैले हुए हैं। कंपनी की यह पहल उसके वित्तीय स्वास्थ्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिक्सन को लॉन्गचियर के साथ संयुक्त उद्यम के लिए मिली सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली । डिक्सन टेक्नोलॉजीज को इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से चीन की लॉन्गचियर की सिंगापुर इकाई के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने की मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार, इस जेवी में डिक्सन की 74 फीसदी और लॉन्गचियर की 26 फीसदी हिस्सेदारी होगी। दोनों कंपनियां आपसी सहमति से इसका खाका तैयार करेंगी। डिक्सन इस जेवी के जरिए मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में प्रयुक्त घटकों के निर्माण और बिक्री को बढ़ावा देगी। कंपनी ने पहले ही चीन की चोंगकिंग युहाई प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग और कुनशान क्यू टेक्नोलॉजी की भारतीय इकाई के साथ समझौते किए हैं। इसके साथ ही, डिक्सन चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो के साथ भी जेवी की संभावनाएं तलाश रही है। यह साझेदारी भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा देने और मेक इन इंडिया पहल को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का आईपीओ 30 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड का 650 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ)। 30 जुलाई को खुलेगा और 1 अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया है। इसमें 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की बिक्री पेशकशउ शामिल है, जो प्रवर्तकों द्वारा की जाएगी। कंपनी इस निर्गम से जुटाई गई राशि का उपयोग मशीनरी खरीद, ऋण चुकाने, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी। इस इश्यू के प्रबंधक इक्रिरस कैपिटल और डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स हैं। कंपनी के शेयर 6 अगस्त को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। निवेशकों में इस आईपीओ को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है।

बाइक आलट्राहाइक 450 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश

नई दिल्ली ।

महंगी बाइक बनाने वाली कंपनी मोटो मोरिनी ने अपनी नई एडवेंचर बाइक आलट्राहाइक 450 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश कर दिया है। फिलहाल यूरोप में इस बाइक के लिए प्री-ऑर्डर शुरू हो चुके हैं और सितंबर 2025 से इसकी डिलीवरी भी शुरू होने की योजना है। यह दमदार बाइक सीधे तौर पर रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 और सीएफमोटो 450 एमटी को टक्कर देती है।

हालांकि भारत में इसकी लॉन्च को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मोटो मोरिनी की भारत में मौजूदा उपस्थिति इसे यहां लाने की संभावनाएं बढ़ा देती है। ब्रेकिंग के लिए दोनों पहियों में सिंगल डिस्क ब्रेक और डुअल-चैनल एबीएस की सुविधा मौजूद है। 190 किलोग्राम के ड्राई वेट वाली इस बाइक में 18.5 लीटर का फ्यूल टैंक, 215एमएम ग्राउंड क्लीयरेंस और ट्रैक्शन कंट्रोल, नेविगेशन, यूएसबी पोर्ट, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। इसका स्टाइल भी बेहद आकर्षक है, जिसमें बग-आई हेडलैंप, बीक फ्रंट फेंडर और लंबा टेल सेक्शन दिया गया है।

भारत में लॉन्च होने पर यह

बाइक एडवेंचर बाइक सेगमेंट में एक मजबूत खिलाड़ी बन सकती है। आलट्राहाइक 450 को खासतौर पर एडवेंचर लवर्स के लिए तैयार किया गया है। इसमें 450 सीसी का लिक्विड-कूल्ड ट्विन-सिलेंडर इंजन है, जो 44.2 बीएचपी की ताकत और 42एनएम का टॉर्क देता है। स्टील फ्रेम पर बनी इस बाइक में केवायबी का एडजस्टेबल सस्पेंशन, 21-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर स्पोक व्हील्स, फ्रंट में यूएसडी फोर्क्स और रियर में लिंक टाइप मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.55 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी की पूंजी निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 86.59 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय मुद्रा सीमित दायरे में कारोबार कर रही है क्योंकि निवेशक नवीनतम वैश्विक व्यापार घटनाक्रमों पर विचार कर रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.59 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.60 पर आ गया।

ट्रंप ने किया मस्क का समर्थन, टेस्ला पर संकट बरकरार

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ला के गिरते शेयरों के बीच एलन मस्क की कंपनियों का समर्थन करते हुए कहा है कि उनका मस्क की कंपनियों को बर्बाद करने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं एलन और देश के सभी व्यवसायों को फलता-फूलता देखना चाहता हूं। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों के बीच बीते कुछ हफ्तों से जुबानी जंग तेज हो गई थी। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि सरकार मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स खत्म कर बजट में भारी बचत कर सकती है। इसके जवाब में मस्क ने ट्रंप पर तीखे हमले किए और यहां तक कहा कि ट्रंप के यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंध थे। इस राजनीतिक टकराव का असर टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी मस्क की कंपनियों पर पड़ता दिख रहा है। सरकार द्वारा मिलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन टैक्स क्रेडिट जैसे 7,500 के नए और 4,000 के इस्तेमालशुदा ईवी टैक्स क्रेडिट 30 सितंबर से खत्म हो रहे हैं। इसके अलावा, व्हाइट हाउस ने डिफेंस डिपार्टमेंट और नासा को स्पेसएक्स के अरबों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट्स की समीक्षा करने को कहा है, जिसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई माना जा रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 721 अंक, निफ्टी 225 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 721.08 अंक नीचे आकर 81,463.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837.00 पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस के शेयरों में जून तिमाही के परिणामों की घोषणा के बाद सबसे ज्यादा 4.73 फीसदी की गिरावट रही। वहीं पावर ग्रिड, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और अदानी पोर्ट्स के शेयर भी टूटे। केवल सन फार्मा और भारती एयरटेल के शेयर ही ऊपर आये। जानाकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने और दुनिया भर से नकारात्मक संकेतों से भी बाजार गिरा। इसके अलावा लार्ज-कैप शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और विदेशी संस्थागत

निवेशकों (एफआईआई) की बड़ी शॉर्ट पोजीशन से भी बाजार पर दबाव आया। इस गिरावट से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर 4.75 लाख करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 453.35 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर थे। बजाज फाइनेंस की एसेट क्वालिटी में गिरावट आई है। कंपनी का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (जीएनपीए) एक साल पहले के 0.86 फीसदी से बढ़कर 1.03 फीसदी हो गया है। वहीं नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से बढ़कर 0.50 फीसदी हो गया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचयूएल, टाटा स्टील और मारुति भी गिरावट के साथ ही लाल निशान पर खुले। दूसरी ओर एटरनल (जोमेटो), एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक और एचसीएल टेक में बढ़त देखी गई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 244 अंक की गिरावट के साथ 81,939 और निफ्टी 86 अंक की कमजोरी के साथ 24,985 पर खुला।

स्कॉर्पियो-एन पिकअप अपने दमदार लुक से मचाएगी तहलका

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय एसयूवी स्कॉर्पियो-एन के बेस पर एक दमदार पिकअप ट्रक लॉन्च करने जा रही है। एक बार फिर से स्कॉर्पियो-एन पिकअप भारतीय ऑटो मार्केट में तहलका मचाने को तैयार है। यह न केवल स्टाइलिश दिखेगा, बल्कि पावर और यूटिलिटी के मामले में भी शानदार परफॉर्मेंस देगा। यह नया मॉडल खासतौर पर उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो एक साथ फैमिली और कमर्शियल दोनों तरह के कामों के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद वाहन चाहते हैं। इस पिकअप का लुक स्कॉर्पियो-एन एसयूवी से काफी मिलता-जुलता होगा, लेकिन इसमें डबल कैब और सिंगल कैब ऑप्शन, बड़ा लोडिंग बे, नया यूटिलिटी बंपर, शार्क फिन एंटीना और रोलओवर प्रोटेक्शन बार जैसे खास फीचर्स होंगे। स्पाई शॉट्स से इसके दमदार स्टाइल का अंदाजा लगाया जा सकता है। आरडब्ल्यूडी और 4डब्ल्यूडी ड्राइव ऑप्शन के साथ यह पिकअप ऑफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प साबित होगा।

हालांकि लॉन्च डेट अभी तय

नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही महिंद्रा इसे ऑफिशियली पेश करेगी। फीचर्स की बात करें तो इसमें लेवल-2 अडास, 5जी कनेक्टिविटी, ट्रेलर स्वे कंट्रोल और कई एयरबैग्स जैसे आधुनिक सुरक्षा और टेक्नोलॉजी फीचर्स मिल सकते हैं। इंजन के रूप में इसमें वही 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 2.2-लीटर डीजल इंजन होंगे जो स्कॉर्पियो-एन और थार में मिलते हैं।

आईटीसी मध्यम अवधि में नई विनिर्माण इकाइयों में 20,000 करोड़ का करेगी निवेश

कोलकाता । आईटीसी लिमिटेड ने मध्यम अवधि में अपने विनिर्माण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 20,000 करोड़ निवेश की घोषणा की है। कंपनी के चेयरमैन ने वार्षिक आम बैठक में बताया कि पिछले वर्षों में आठ नई विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। आईटीसी की रणनीति 'भारत पहले' पर आधारित है, जिसके तहत कंपनी घरेलू बाज़ार में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने पर ज़ोर देगी और विदेशों में विस्तार बाद में करेगी। उन्होंने कहा कि नए ब्रांड्स के माध्यम से मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जाएगा। सिगरेट से इतर व्यवसाय अब कंपनी की कुल आमदनी का 65त्न हिस्सा बन चुका है। आईटीसी आज एफएमसीजी, होटल, कृषि और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है। यह निवेश कंपनी के विविधीकृत विकास और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से वाहन उद्योग को बड़ा अवसरः सियाम

- प्रधानमंत्री और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में लंदन में हस्ताक्षर किए गए

नई दिल्ली।

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीएए) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में लंदन में हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापारिक शुल्कों में कटौती होगी, जिससे विशेष रूप से वाहन उद्योग सहित कई घरेलू क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अे धिकारी ने कहा कि यह समझौता भारतीय वाहन उद्योग के लिए विकास के नए रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग मिलकर काम करेंगे ताकि इस समझौते के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़े और तकनीकी उन्नति हो। उन्होंने इसे भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने वाला एक अहम कदम बताया। यह समझौता भारत को ब्रिटेन के बाजार में चमड़ा, विद्युत मशीनरी, रसायन जैसे कई क्षेत्रों में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा, जिससे लगभग 23 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यावसायिक अवसर सृजित होंगे। सियाम ने सरकार द्वारा व्यापार वार्ता में हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की भी प्रशंसा की है। यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी को गहरा करेगा और वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्र के शुल्कों में राहत से उपभोक्ताओं को भी फायदा होगा, जो भारतीय उद्योग के व्यापक हित में है।

वित्त वर्ष 2025-26 में पांच बड़ी आईटी कंपनियों की रफ्तार रहेगी सीमित

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजों के बाद देश की पांच सबसे बड़ी आईटी कंपनियों टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो और टेक महिंद्रा की परफॉर्मेंस देखकर विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल सेक्टर में हाई सिंगल डिजिट ग्रोथ की संभावना बेहद कम है। एक रिसर्च फर्म के मुताबिक` वित्त वर्ष 26 में टेक सर्विसेज इंडस्ट्री की ग्रोथ 3-5 फीसदी के बीच रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में इन कंपनियों की ग्रोथ मामूली रहेगी और किसी मजबूत रिकवरी की उम्मीद निकट भविष्य में नहीं की जा सकती। इस सुस्ती के पीछे कई वजहें बताई जा रही हैं जैसे वैश्विक आर्थिक कमजोरी, अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी में बदलाव और कई देशों में जारी भू-राजनीतिक तनाव, इन वजहों से डील बंद होने में देरी हो रही है और क्लाइंट खर्च में भी तेजी नहीं दिख रही। गौरतलब है कि पिछले दो वित्त वर्षों में इन शीर्ष पांच कंपनियों की रेवेन्यू ग्रोथ लगातार कमजोर रही है। देश की शीर्ष पांच आईटी कंपनियों ने` वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में मिला-जुला प्रदर्शन दिखाया है। टीसीएस ने तिमाही दर तिमाही रेवेन्यू में गिरावट के बावजूद 9.4 अरब डॉलर का ऑर्डर बुक दर्ज किया। इंफोसिस ने भी 3.8 अरब डॉलर के बड़े सौदे हासिल किए, जबकि एचसीएलटेक के लिए कुल ऑर्डर वैल्यू 1.81 अरब डॉलर रही। इंफोसिस का प्रदर्शन सबसे बेहतर माना जा रहा

दुर्लभ खनिज संकट के बीच ईवी कंपनियों को नहीं मिली राहत

- केंद्र सरकार ने कहा, ईवी कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर भारत में ही बनानी होगी

नई दिल्ली । भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माताओं को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल जैसे महत्वपूर्ण पुर्जों का स्थानीय निर्माण सुनिश्चित करें। भारी उद्योग मंत्रालय की ओर से यह निर्देश ऐसे समय आया है जब चीन ने 4 अप्रैल को दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा है। मंत्रालय की नामित परीक्षण एजेंसियों ने वाहन निर्माताओं को एक घोषणा पत्र भेजा है, जिसमें यह पुष्टि करने को कहा गया है कि उनके पास नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ खनिजों का पर्याप्त भंडार है। इन खनिजों का उपयोग ईवी में ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल के निर्माण में होता है। बिना इस घोषणा के कंपनियां सरकार की सब्सिडी योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगी। उद्योग जगत ने इस सख्त रुख पर चिंता जताई है। कई कंपनियों का कहना है कि वे स्थानीयकरण के पक्ष में हैं, लेकिन मौजूदा वैश्विक हालात में यह व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने अस्थायी रूप से पूरी तरह असेंबल की गई मोटर्स के आयात की अनुमति मांगी थी, जिसे मंत्रालय ने अस्वीकार कर दिया। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी, हीरो मोटोकॉर्प, एथर एनर्जी और बजाज ऑटो जैसी कंपनियों ने इस बारे में टिप्पणी नहीं की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के इरादे से है, लेकिन इससे ईवी क्षेत्र की वृद्धि फिलहाल प्रभावित हो सकती है।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा 13.4 फीसदी गिरा, लागत बढ़ने से लाभ में कमी

नई दिल्ली ।

नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 13.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 646.59 करोड़ का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है। पिछले साल की इसी अवधि में कंपनी का लाभ 746.6 करोड़ था। हालांकि, इस दौरान कंपनी की उत्पाद बिक्री से आय 5.86 प्रतिशत बढ़कर 5,073.96 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष 4,792.97 करोड़ थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में घरेलू बिक्री 5.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,860.01 करोड़ रही, जबकि निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 213.95 करोड़ पर पहुंच गया। नेस्ले इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि तिमाही में कच्चे माल की कीमतों में तेजी और विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार के कारण परिचालन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसका

सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ा।

कंपनी का कुल व्यय 9.25 प्रतिशत बढ़कर 4,199.73 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3,844.52 करोड़ था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अपने नाम किया बड़ा कीर्तिमान, इस मामले में द्रविड़-कैलिस को पछाड़ा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में खेल के तीसरे दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर में एक बड़ा कीर्तिमान हासिल किया है। रूट ने भारत के खिलाफ जैसे ही 31 रन बनाए वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गए।

जो रूट ने राहुल द्रविड़ और जैक कैलिस को एक साथ पीछे छोड़ा और कमाल की उपलब्धि अपने नाम कर ली। जो रूट ने ये उपलब्धि अपने टेस्ट करियर के 157वें मैच में हासिल किया। जो रूट मैनचेस्टर टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के खिलाफ शानदार बैटिंग करते हुए नजर रहे थे और खबर लिखे जाने तक वो 31 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक यानी खबर लिखे जाने तक 13,290 रन बना लिए और वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर की लिस्ट में तीसे नंब पर आ गए। तीसरे नंबर पर इससे पहले साउथ अफ्रीका के दिग्ग बल्लेबाज जैक कैलिस था जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 13,289 रन बनाए थे। अब कैलिस चौथे नंबर पर आ गए हैं जबकि द्रविड़ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक खेले 157वें मैचों की 286 पारियों में 13,290 रन बनाए हैं। रूट ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 37 शतक और 66 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 50.88 की औसत से ये रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर इस दौरान 262 रन रहा है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है जिन्होंने 15,921 रन बनाए थे जबकि दूसे नंबर पर 13,378 रन के साथ रिकी पोंटिंग मौजूद हैं।

भारतीय महिला क्रिकेटर वेदा कृष्णमूर्ति ने लिया संन्यास, भारत के लिए खेले 124 इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। वेदा ने अपने करियर में 48 वनडे और 76 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। जिनमें उन्होंने क्रमशः 829 और 875 रन बनाए हैं। लेकिन संकेत दिया कि वह किसी अन्य भूमिका में खेल से जुड़ी रहेंगी।

वेदा कृष्णमूर्ति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि, एक छोटे शहर की बडे सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक। क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक, लोग और यादें दीं हैं, उनके लिए आभारी हूं। अब खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है, लेकिन खेल को नहीं। हमेशा भारत के लिए। हमेशा टीम के लिए उपलब्ध रहूंगी।

कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से विवाह करने वाली 32 वर्षीय वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। उनका आखिरी वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैच 2018 में था।

बेन स्टोक्स ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, जैक्स कैलिस और इयान बॉथम के क्लब में हुए शामिल

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट मैच में बेन स्टोक्स ने एक और शानदार प्रदर्शन के साथ क्रिकेट के महान खिलाड़ियो में अपना नाम दर्ज कर लिया है। टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने 72 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ स्टोक्स अब पुरुष टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कम से कम 10 शतक और पांच बार पारी में 5 विकेट लेने वाले केवल चौथे क्रिकेटर बन गए। यह क्रिकेट के खेल में किसी भी ऑलराउंडर के लिए बडी उपलब्धि है। स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट में 13 शतक लगा चुके और इस टेस्ट में पांचवी बार पारी में 5 विकेट भी लिए जिससे स्टोक्स की खेल में बल्ले और गेंद दोनो से प्रभावित क्षमता का पता चलता है। इस प्रदर्शन से वह ऑलराउंडर की खास सूची में शामिल हो गए है, जिसमें महान सर गारफील्ड सोबर्स, इंग्लैंड के इयान बॉथम और दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस शामिल है जिनका नाम टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज खिलाड़ियो में आता है। एक पारी में पांच से अधिक बार 5 विकेट लेने और 10 से अधिक शतक बनाने वाले ऑलराउंडरों की सूची में गारफील्ड सोबर्स ने अपने शानदार टेस्ट करियर के दौरान 26 शतक और 6 बार पारी में पांच विकेट लिए। इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज इयान बॉथम ने 14 टेस्ट शतक और 27 बार पारी में पांच विकेट लिए है जो अक्सर अकेले दम पर मैच का रुख बदल दिया। सूची में आगे जैक्स कैलिस ने 45 टेस्ट शतक और 5 बार पारी में पांच विकेट लिए और अब स्टोक्स आंकड़ो के मामले में इन दिग्गजो की सूची में आ चुके है जिससे क्रिकेट के सबसे संपूर्ण खिलाड़ियो के रूप में उनकी पहचान बन गई है। अपने प्रदर्शन की बदौलत स्टोक्स अब तक सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए है, उनके नाम 16 विकेट दर्ज है।

फैक्कर के बावजूद ऋषभ पंत ने लगाया अर्धशतक, पूर्व क्रिकेटर ने कहा- यह पल 50 साल बाद भी याद रहेगा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के उप कप्तान ऋषभ पंत ने साबित कर दिया कि जज़्बा ही असली खेल है। पहले दिन क्रिस वूक्स की यॉर्कर पर रिवर्स स्वीप प्रयास करते समय उनके पैर में चोट लग गई और वह 37* रन पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर आ गए। लेकिन दूसरे दिन शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद पंत ने दर्द के बावजूद बल्लेबाजी करने का साहस दिखाया जिसके बाद पूर्व भारतीय खिलाड़ी और विश्लेषक संजय मांजरेकर ने पंत की प्रशंसा की। मांजरेकर ने कहा, 'जब आप इस तरह की चीजें करते हैं, जैसे कि अनिल कुंबले ने जबड़े में पट्टी बांधकर गेंदबाजी की थी तो ये इतिहास के वो पल होते हैं जिन्हें आप 50 साल बाद भी याद रखते हैं। ये दर्शाता है वो भारत के लिए खेलने को लेकर कितने अधिक समर्पित हैं। टेस्ट क्रिकेट जब इंग्लैंड में खेला जा रहा तो ये बहुत अधिक स्पेशल हो जाता है। एक क्रिकेटर के तौरपर आपके ऊपर बहुत अधिक ध्यान होता है। आप अपना बेस्ट देना चाहते हैं। सफेद गेंद में उनका वैसा प्रभाव नहीं है लेकिन रेड बॉल में पंत किसी भी अन्य फॉर्मेट से ज्यादा प्रभाव छोड़ना चाहते हैं।' संजय मांजरेकर ने आगे कहा, 'वो चोटिल हैं और इस बात को नजरअंदाज मत करिए। अगर किसी दिन उसे बताया जाये कि वो अप्नेपैर नहीं हिला सकता तो भी उसका हैंड-आई कोर्डिनेशन इतना अच्छा है कि वो उससे ही हावी हो जाता है। इंग्लैंड को इसके चिंता होगी कि पंत वापस आ गया है।' गौर है कि पंत ने 75 गेंदों में 54 रन की पारी खेली जिसमें उन्होंने एक छक्का भी लगाया। यह उनकी 19वीं टेस्ट फिफ्टी थी हालांकि वह जॉफ्रा आर्चर की शानदार गेंद का शिकार बने। यह पारी टीम के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरी पूर्व भारतीय खिलाड़ी और विश्लेषक संजय मांजरेकर ने इस घटना की तुलना अनिल कुंबले के ब्रोकन जॉ में गेंदबाजी करने वाले इतिहासिक पल से की।

ऋषभ के चोटिल पैर को निशाना बनाने वाले स्टोक्स पर भड़के लोग

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन पैर की अंगुली में फैक्कर के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरे । उनके इस जज्बे की जहां लोगों ने प्रशंसा की और उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया । वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की कड़ी आलोचना की है । स्टोक्स इस मैच में जानबूझकर ऋषभ के चोटिल पैर पर यॉर्कर गेंदें कर रहे थे । वहीं जब ऋषभ ने एक रन लिया तब भी स्टोक्स ने बहुत ही ध्यान से उनके पैर के उस पंजे को देखा जिसमें फैक्कर हुआ था । उन्होंने टूटी उंगली को लक्ष्य कर लगातार यॉर्कर गेंदें फेंकीं । ऋषभ तब भी बिना डरे जमे रहे और उन्होंने एक पैर से खेलते हुए आक्रामक शॉट लगाये । जोफा आर्चर ने भी उनके पैर पर ही निशाना साधार पर इस बल्लेबाजी ने शानदार छक्का लगा दिया । इस प्रकार किसी बल्लेबाज के चोटिल पैर को ही गेंद से टारगेट करने की स्टोक्स की रणनीति की सोशल मीडिया में जमकर आलोचना हुई है । लोगों ने कहा कि खेल है, खेल ही रहने दो । क्या आउट करने के लिए फैक्कर पर ही टारगेट करना जरूरी था ? यह आउट करने की रणनीति थी या विरोधी को जानबूझकर और ज्यादा चोटिल करने की बेहद शर्मनाक कोशिश ? साथ ही कहा कि स्टोक्स ने क्रिकेट भावना, खेल भावना, जेंटलमेन गेम जैसे बातों का अपमान किया है । अभी दो दिन पहले ही पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा था कि इंग्लैंड सहित कुछ टीमें खेल भावना शब्द का इस्तेमाल अपनी सुविधा के अनुसार करती हैं । मैनचेस्टर टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 358 रन बनाए हैं । फैक्कर होने के बावजूद ऋषभ ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की और 54 रन बनाकर आउट हुए ।

प्रधानमंत्री मोदी इंग्लैंड दौरे में युवा क्रिकेटरों से मिले

लंदन । भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इंग्लैंड दौरे में समय निकालकर युवा क्रिकेटरों से भी मिले । मोदी जब युवा क्रिकेटरों से मिले रहे थे तो उनके साथ इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी वहां उपस्थित थे । भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें जारी करते हुए लिखा, क्रिकेट का यह रिश्ता अपने शीर्ष पर है । प्रधानमंत्री मोदी ने चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी । गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच लंबे समय से क्रिकेट के मैदान पर कड़ी टक्कर रही हैं । वहीं भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम भी इस समय 5 टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड में ही है । अभी तक इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है । वहीं, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट खेला जा रहा है । वहीं हाल ही में भारतीय महिला टीम ने भी यहां एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीती थी । भारतीय अंडर-19टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है । इस टीम ने भी यहं शानदार प्रदर्शन किया है । कई भारतीय खिलाड़ी भी इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते हैं । ठीक इसी तरह इंग्लैंड के कई क्रिकेटर भी आईपीएल में खेलते हैं ।

भारतीय टीम वापसी के लिए आक्रामक क्रिकेट खेले : वॉन

मैनचेस्टर । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है भारतीय टीम को इस सीरीज में वापसी के लिए विराट कोहली की तरह का आक्रामक क्रिकेट खेलना होगा । वॉन ने कहा कि भारतीय टीम को तीसरे दिन के खेल पर सबसे ज्यादा धयान देना होगा । भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाये हैं । वॉन के अनुसार अगर भारतीय टीम तीसरे दिन के खेल पर नियंत्रण बनाने में सफल रही तो उसे जीत मिल सकती है । साथ ही कहा कि कप्तान शुभमन गिल और टीम के लिए ये दिन अभी या कभी नहीं वाला साबित हो सकता है । उसके पास आक्रामक खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है । वॉन ने कहा कि, तीसरे दिन ही सीरीज का फैसला तय होगा । अगर इंग्लैंड का तीसरा दिन अच्छा रहा तो वह सीरीज जीत जाएगी । इसलिए भारतीय कप्तान को विराट कोहली वाली आक्रामक मानसिकता के साथ उतरना होगा । वहीं अगर भारतीय टीम टीम सफल रही तो वह सीरीज में बनी रहेगी । भारतीय गेंदबाज हालांकि अब तक इस मैच प्रभावी साबित नहीं हुए हैं क्योंकि वह विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये । इस मैच से डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज भी कुछ खास नहीं दिखे । टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी प्रभावित नहीं कर पाये । भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में भी 1-2 से पीछे है ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगस्त में चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जो 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेली जाएगी। यह श्रृंखला बेहद प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है, जिसमें आठवें स्थान पर काबिज भारत का सामना छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएँगे।

दोनों टीमें हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में आमने-सामने हुई थीं, जहाँ ऑस्ट्रेलिया ने दोनों चरणों में भारत को 3-2 से हराया था। हालाँकि, भारत ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलंपिक में कूकाबुरास पर 3-2 से यादगार जीत दर्ज की थी - 1972 म्यूनिख खेलों के बाद ऑस्ट्रेलिया पर उनकी पहली ओलंपिक जीत।

हालाँकि हाल के मुकाबलों में कड़ी टक्कर देखने को मिली है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने ऐतिहासिक रूप से इस प्रतिद्वंद्विता में बढ़त बनाए रखी है और 2013 से दोनों टीमों के बीच खेले गए 51 मैचों में से 35 में जीत हासिल की है। भारत ने नौ बार जीत हासिल की है, जबकि सात मैच ड्रॉ रहे हैं। यह श्रृंखला 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप 2025 से पहले भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफिकेशन स्थान प्रदान करता है, जिससे ऑस्ट्रेलिया दौरा भारत की तैयारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन जाता है।

यश पर अब एक नाबालिग ने लगाया बलात्कार का आरोप

मुम्बई (ईएमएस) । क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं । पहले ही यौन शोषण मामले में फंसे यश पर अब जयपुर में एक नाबालिग ने रेप का आरोप लगाया है । आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेटर यश पर इससे पहले गाजियाबाद में एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था । इस मामले में वह कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं हालांकि वह अभी तक गिरफ्तारी से बचे हुए हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में गाजियाबाद मामले में यश की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी पर अब जयपुर में उनके खिलाफ जो मामला दायर हुआ है उससे उनका करियर भी खतरे में आ गया है। उनपर 17 साल की नाबालिग लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यश के खिलाफ सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में नाबालिग पीड़िता द्वारा बलात्कार के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट में नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया है कि यश ने पेशेवर क्रिकेट में बेहतर भविष्य का वादा करते हुए उसका दो साल तक शोषित किया । रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता क्रिकेट के जरिये ही यश के संपर्क में आयी थी । ऐसे में यश ने उसे बेहतर क्रिकेट करियर बनाने का झांसा देते हुए दो साल तक बलात्कार किया । रिपोर्ट में आईपीएल 2025 का भी जिक्र करते हुए कहा गया है कि यश दयाल ने जयपुर में हुए मैच के दौरान पीड़िता को एक होटल में बुलाया और उसका शोषण किया । लंबे समय तक चुप्पी, भावनात्मक ब्लैकमेल और शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के बाद पीड़िता ने अंत में उसके खिलाफ आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराई है । जयपुर पुलिस ने आगे बताया कि जब बलात्कार की पहली घटना तब हुई थी जब पीड़िता 17 साल की नाबालिग थी, इसलिए यश के खिलाफ पास्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है । इसमें दोषी पाये जाने पर यश को लंबे समय की सजा होना तय है ।

बीसीसीआई से हुए बाहर तो इस टीम ने अभिषेक नायर को बनाया कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वॉरियर्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने जॉन लुईस की जगह ली है, जो पिछले तीन सीजन से इस भूमिका में थे। टीम ने लगातार दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद बदलाव की राह चुनी है। नायर के कोचिंग अनुभव और खिलाड़ियों को संवारने की उनकी खासियत ने टीम मैनेजमेंट को प्रभावित किया।

अभिषेक नायर का कोचिंग करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। 2018 में केकेआर के साथ कोचिंग की शुरुआत करने वाले नायर ने बाद में छक्कमें त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कोच की भूमिका भी निभाई। आईपीएल 2024 में उन्होंने केकेआर को तीसरी बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद वह भारतीय टीम के सहायक कोच बने, हालांकि, उनका कार्यकाल लंबा नहीं रहा और वो फिर से केकेआर के कोचिंग स्टाफ में लौट गए।

वहीं यूपी वॉरियर्स के सीओओ क्षेमल वाइंगणकर ने कहा कि, अभिषेक जैसा अनुभव और विजयी सोच वाला कोच मिलना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। पिछले 18 महीनों में वे तीन अलग-अंग टीमों को चैंपियन बना चुके हैं। हमें विश्वास है कि वह यूपी वॉरियर्स को भी एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

हालांकि, ये पहली बार होगा जब नायर किसी महिला टीम के कोच बने हैं। लेकिन 2023 में उन्होंने बेंगलुरु में यूपी वॉरियर्स के लिए एक हफ्ते का कैंप भी आयोजित किया था। वे पहले भी रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों के करियर में नई जान फूंक चुके हैं।

अगले माह होगा रोमन रेंस और जे उसो का ब्रेकर और ब्रॉन्सन से मुकाबला

सेन डियागो । डब्ल्यू डब्ल्यूई में अगले महा अगस्त में रेसलर रोमन रेंस और जे उसो की टीम का मुकाबला ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड से होगा । यह मुकाबला 2 या 3 अगस्त को समरस्लैम में होगा । पॉल हेमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके इस मुकाबले के बारे में बताया है । उन्होंने रोमन रेंस और जे उसो को चेतावनी भी दी है । हेमैन ने रोमन रेंस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यह मुकाबला उनके लिए बेहद कठिन रहेगा । हेमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया । इस वीडियो में उन्होंने कहा, रोमन किसी भी दिन मुकाबला करें उससे फर्क नहीं पड़ेगा । ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड की ओर से रोमन रेंस और जे उसो ने मुकाबले की चुनौती स्वीकार की है । रोमन ने इससे पहले हेमैन का मजाक उड़ाया था । उन्होंने कहा था कि हेमैन ने उन्हें द ट्राइबल चीफ नहीं बनाया है । रेंस ने कहा कि वह द ट्राइबल चीफ इसलिए हैं क्योंकि फैंस उन्हें अभी भी मानते हैं । इसके बाद ब्रॉन ब्रेकर ने कहा कि वह यहां के नए बिग डॉग हैं । रेंस और ब्रेकर के बीच मारपीट भी हुई थी । जे उसो ने आकर रोमनको बचाया । इसके बाद रेंस ने समरस्लैम के लिए चुनौती दी । जे उसो इस मुकाबले में रोमन रेंस के पार्टनर होंगे ।

मैनचेस्टर टेस्ट में अपने गेंदबाजी प्रदर्शन से संतुष्ट नही अंशुल कंबोज, कहा- मैं सुधार की कोशिश करूंगा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज अपनी गेंदबाजी से संतुष्ट नही है। डेब्यू करने वाले इस गेंदबाज ने 94 रन बना चुके बेन डकेट का बड़ा विकेट जरूर लिया, लेकिन वह महंगे साबित हुए और अपने 10 ओवर के स्पेल में 48 रन लुटा दिए। 24 वर्ष के इस गेंदबाज को चौथे टेस्ट के लिए आकाश दीप की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया जो कमर की चोट से जूझ रहे है।

कंबोज ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा महसूस हुआ। मेरा ध्यान सही जगह पर गेंद डालने पर था। यही मेरी शुरुआत से योजना थी। कुछ गेंदे अच्छी लगी, कुछ नहीं। सच कहूँ तो, मैं अभी भी अपनी गेंदबाजी से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूँ। मैं कल सुधार करने और बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूँगा।'

कंबोज ने आगे कहा, 'मैंने अपने पहले दो स्पेल में ज़्यादा मेहनत करने की कोशिश की। तीसरे स्पेल में, मैंने अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित किया और अपने क्षेत्रों में टिके रहे। कल, हम फिर से अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की कोशिश करेंगे और उन्हें जल्द से जल्द आउट करने की कोशिश करेंगे। मुख्य बात बाउंड्री को सीमित करना होगा क्योंकि वे सिंगल लेने के बजाय चौके मारने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करते दिख रहे हैं।'

गौर है कि अपनी पहली पारी 358 रनों पर समाप्त करने के बाद टीम इंडिया को पहली पारी में गेंदबाजी में संघर्ष करते देखा गया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही पारी को संभाला। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 166 रनों की ओपनिंग साझेदारी की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने क्रॉली को 84 रन पर आउट कर दिया। 39वें ओवर में अंशुल कंबोज ने डकेट को 94 रन पर आउट करके अपना पहला टेस्ट विकेट लिया। लेकिन यह काफी नहीं था। भारतीय के अग्रणी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विकेट नहीं मिला जो भारतीय टीम के लिए दिल तोड़ने वाला था। उधर इंग्लैंड ने दूसरे दिन दबदबा बनाते हुए दिन के अंत तक स्कोर 225/2 किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पशुपालन केबिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं।जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई।स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है।स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है।भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोटा में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में देर रात दादाबाड़ी थाना क्षेत्र के वफ्फ नगर में 5 बदमाशों ने एक युवक इरशाद (28) पर उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में इरशाद को दो गोलियां लगी हैं, और घायल इरशाद को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाश फायरिंग करते साफ दिख रहे हैं। इरशाद ने बताया कि अल्फेज, शाहरुख, सलमान और भाया नाम के बदमाश दो बाइकों पर आए और उन पर 7 राउंड फायर किए। इरशाद का कहना है कि इन लोगों से उनकी पुरानी दुश्मनी है और पहले भी उस पर चाकू से हमला कर चुके हैं। कोटा पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी है। डीएसपी योगेश शर्मा ने बताया कि देर रात फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात में घायल इरशाद को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी गई है। पुलिस टीम अलग-अलग इलाकों में दबिश दे रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मनसे कार्यकर्ताओं ने होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड हटाए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने मराठी साइनबोर्ड के इस्तेमाल की मांग को लेकर मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित कई होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड को हटा दिया। महाराष्ट्र का पालघर जिला गुजरात की सीमा से लगा हुआ है। यह प्रदर्शन राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य करने को लेकर उठे विवाद के तुरंत बाद शुरू हुआ। सूत्रों ने बताया कि मनसे समर्थकों ने हलोली गांव के पास होटल के बाहर गुजराती में लिखा साइनबोर्ड तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि कई होटलों ने गुजराती में लिखे अपने बोर्ड काले कपड़े से ढक दिए हैं।

मायानगरी मुंबई में सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश... कई इलाकों में जलभराव

मुंबई (एजेंसी)। मायानगरी मुंबई में शुक्रवार सुबह से ही लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश होने से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। सुबह-सुबह दफ्तर जाते वक्त तेज बारिश से ट्रैफिक और लोकल ट्रेनों की रफ्तार भी थोड़ी सुस्त है। अंधेरी ईस्ट में भारी बारिश के कारण जलभराव हुआ है। इसकारण अंडरपास बंद किया गया है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में भी मूसलाधार बारिश हो रही है। मुंबई में अगले कुछ दिनों तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। बता दें कि आईएमडी ने शुक्रवार सुबह के वक्त मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना जाहिर की थी। वहीं, 27 जुलाई तक हाई टाइड (ऊँची समुद्री लहरें) की चेतावनी दी है। जुहू बीच, मरीन ड्राइव और अन्य समुद्री तटीय क्षेत्रों में जाने से मना किया गया है। हाई टाइड के समय समुद्र की लहरें 4.5 मीटर (लगभग 15 फीट) तक ऊंची हो सकती हैं। इससे निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बना हुआ है। लगातार बारिश को देखकर मुंबई पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। मुंबई और आसपास के ज़िलों में भारी बारिश के कारण नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो, घर के अंदर ही रहें, तटीय इलाकों से बचें और सावधानी से गाड़ी चलाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को समन पर रोक का अंतरिम आदेश बरकरार रखा

-सावरकर पर टिप्पणी से जुड़ा हुआ है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज एक आपराधिक मामले में समन पर लगी रोक को फिलहाल जारी रखा है। यह मामला 2022 में विनायक दामोदर सावरकर पर राहुल गांधी की कथित विवादास्पद टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए समन पर रोक को आगे भी बरकरार रखने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर न्यायिक राहत की मांग की थी। अदालत ने पहले ही मामले की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाई हुई थी, जिसे अब आगे भी जारी रखा गया है।

राज्य सरकार ने दाखिल किया जवाब- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने अदालत को सूचित किया कि राज्य सरकार ने राहुल गांधी द्वारा दाखिल याचिका के जवाब में अपना पक्ष कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया है।

66 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा की शपथ ली

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में 66 कट्टर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जो राज्य में वामपंथी उग्रवाद के लिए एक बड़ा झटका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे सुरक्षा दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह सामूहिक आत्मसमर्पण पांच जिलों में हुआ, जिसमें बीजापुर से 25, दंतेवाड़ा से 15, कांकेर से 13, नारायणपुर से 8 और सुकमा से 5 उग्रवादियों ने औपचारिक रूप से हिंसा का त्याग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा की शपथ ली। समूह में महिला उग्रवादियों का एक बड़ा हिस्सा शामिल था, जिनमें से कुछ दो दशकों से भी अधिक समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि हथियार डालने वालों में 49 उग्रवादी शामिल थे, जिन पर कुल 2.27 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इनमें उच्च पदस्थ नेता और लंबे समय से उग्रवादी शामिल थे। इनमें सबसे प्रमुख रमन्ना इरपा उर्फ जगदीश था, जो विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य था और जिस पर 25 लाख रुपए का इनाम था।

चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों पर भड़के सुधांशु त्रिवेदी, बोले- आपातकाल के 50 साल बाद भी नहीं बदली मानसिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थाओं को चुनाव जीते या नहीं के आधार पर मान्यता देने की उनकी 'मानसिकता' को दर्शाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने के फैसले का जिक्र करते हुए, जिसने संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को काफी सीमित कर दिया था, सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनावों के मामले में, कांग्रेस, इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी बेतुके आरोप लगा रहे हैं। यह उस मानसिकता को दर्शाता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है। अगर इंदिरा जी कहती थीं कि संवैधानिक संस्थाओं की मान्यता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीती हैं या नहीं, तो आज राहुल गांधी कहते हैं कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीते हैं या नहीं।

त्रिवेदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों की कड़ी आलोचना की और कहा कि उनके अपने पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और महाराष्ट्र के प्रभारी (2018-2024), आशीष दुआ, कुछ और ही लिखते हैं। भाजपा नेता ने वार करते हुए कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों पर क्या-क्या कहा था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व सचिव, जो 2018 से 2024 तक महाराष्ट्र के प्रभारी रहे, ने महाराष्ट्र में हार का विश्लेषण करते हुए एक लेख में लिखा था कि वे किसी और को दोष नहीं दे सकते, वे कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की कमियों के कारण महाराष्ट्र हार गए।

त्रिवेदी की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी के बाद आई है कि विपक्ष उन्हें बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने गुरुवार को लोकसभा स्थगित होने के तुरंत बाद संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं: यदि आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, यदि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। आप इससे बच नहीं पाएंगे, क्योंकि हम आपके पीछे पड़ जाएंगे।'

सांसद कंगना सहित पूरे कुल्लूवासी पीएम मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के विरोध में उतरे

कुल्लू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बिजली महादेव रोप-वे का हिमाचल में विरोध हो रहा है। कुल्लू के ढालपुर में शुक्रवार सैकड़ों लोग प्रोजेक्ट के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी इस प्रोजेक्ट को नहीं लगाने की मांग कर रहे हैं। इसके पहले कुल्लू के रामशीला में एकत्र हुए लोगों ने आक्रोश रैली निकाली। इतना ही नहीं बीजेपी सांसद कंगना रनोट भी कुछ समय पहले कार्यक्रम में इस प्रोजेक्ट का विरोध कर चुकी हैं। तब कंगना ने कहा था कि कि यदि देव समाज के लोग नहीं चाहते, तब यह प्रोजेक्ट बंद होना चाहिए, क्योंकि उनके लिए देवता का आदेश आधुनिकीकरण से ज्यादा जरूरी है। पीएम मोदी के करीबी राम सिंह समेत कई भाजपा नेता भी इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। कुल्लू के लोगों के आराध्य बिजली महादेव मंदिर को रोप-वे प्रोजेक्ट के कारण इतिहास में पहली बार आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बंद किया गया है। देव आदेशों से अगले 6 महीने तक देशभर से यहां पहुंचने वाले लोग बिजली महादेव के दर्शन नहीं कर पाएंगे। इससे कुल्लू में रोपवे प्रोजेक्ट को लेकर सियासी पारा गरमा गया है। बिजली महादेव संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश नेगी ने बताया कि घाटी की जनता नहीं चाहती कि यहां रोप-वे बनाया जाए। यह देव आस्था के साथ खिलवाड़ है। इस रोप-वे प्रोजेक्ट से पर्यावरण को भी नुकसान होगा। वहीं खराहल घाटी के ग्रामीणों का कहना है कि बिजली महादेव ने देव वाणी में कहा कि उन्हें रोपवे स्वीकार नहीं है। देव आस्था वाले लोग इसलिए इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। इस रोप-वे के लिए खराहल घाटी में बड़ी संख्या में देवदार के पेड़ काटे जा रहे हैं। ग्रामीणों को डर है कि इससे भविष्य में लैंडस्लाइड जैसी घटनाएं बढ़ेंगी। बुजुर्ग शिवनाथ ने इस प्रोजेक्ट के लगने पर आत्मदाह तक की चेतावनी दी है।

विधानसभा चुनाव से पहले बांग्ला कार्ड खेलने लगी ममता, भाजपा को कर रही सीधे टारगेट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से करीब 10 महीने पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्ला भाषा का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम में एक नए भाषा आंदोलन का आह्वान किया। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी कहकर हिरासत में लिया जा रहा है और उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है, इस घटनाक्रम को उन्होंने भाषाई आतंकवाद करार दिया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अस्वीकार्य है और यह बांग्ला भाषी लोगों के उत्पीड़न के समान है। ममता ने जोर दिया कि बांग्ला दुनिया की पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और भारत में करीब 30 करोड़ लोग बांग्ला भाषी हैं। उन्होंने हिरासत में लिए गए बांग्ला भाषी लोगों के हालिया मामलों का भी हवाला दिया, विशेष रूप से एनसीआर के गुरुग्राम में हुई घटना का।

ममता के इन बयानों से संकेत मिलता है कि वह विधानसभा चुनावों तक इस भाषा के मुद्दे को आगे बढ़ाना चाहती हैं, क्योंकि उन्होंने पहले भी चुनावों में बांग्ला कार्ड खेला है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि बांग्ला भाषी लोगों पर इस तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और बंगालियों के लिए उनकी भूमि सर्वोपरि है, जिसके लिए वे कुछ भी करेगा। यह मुद्दा पश्चिम बंगाल के अलावा असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भी बड़ी संख्या में बांग्ला भाषी आबादी के कारण महत्वपूर्ण है।

राबड़ी देवी का आरोप, बीजेपी-जेडीयू से तेजस्वी की जान को खतरा, अब तक 4 बार हमले हो चुके

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को राबड़ी देवी ने कहा, बचपन से गुंडई करते

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के 5वें और आखिरी दिन लंच के बाद भी सदन में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही 7 मिनट के बाद स्थगित की गई। ढाई बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। विधानसभा स्पीकर ने विदाई भाषण में कुछ शायरियां पढ़ीं उन्होंने कहा कि नाराजगी कभी भी इतनी लंबी नहीं होनी चाहिए कि नाराजगी रह जाए और इंसान गुजर जाए। खूबियां इतनी नहीं हममें कि तुम्हें कभी याद आएंगे पर इतना इतबार हमें खुद पर है आप हमें कभी भूल नहीं पाएंगे।

इसके पहले सत्र में पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने सम्राट चौधरी पर कहा कि वे बचपन से बोरिंग रोड इलाके में गुंडई करता है। बोरिंग रोड चौराहे पर लड़कियों को छेड़ते रहे। वे कैसे दूसरे को गुंडा बोल सकते हैं।

दरअसल डिप्टी सीएम चौधरी ने सदन में तेजस्वी से कहा था कि जिसका बाप अपराधी वहां क्या बोलेगा। विधान परिषद में राबड़ी देवी ने तेजस्वी की जान को खतरा बताया और बीजेपी-जेडीयू पर इसके लिए साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जान को खतरा है। बीजेपी और जेडीयू वाले हमला करवा रहे हैं। अब तक 4 बार तेजस्वी पर हमले हो चुके हैं। ये लोग संस्कारहीन हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने विपक्ष की तरफ इशारा करके कहा कि पहले यह लोग इस तरह का कपड़ा पहनते थे। राबड़ी देवी की तरफ इशारा करके कहा कि इन्हीं के कहने पर यह लोग सब इस तरह का कपड़ा पहन कर आ रहे हैं।

इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही महज 5 मिनट में स्थगित कर दी गई। सदन शुरू करने से पहले स्पीकर ने मजाकिया लहजे में पूछा कि आज मौसम भी ठंडा है और माहौल भी ठंडा हैं। प्रश्नकाल से कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष के विधायक नारेबाजी करने लगे। राजद-कांग्रेस और माले के विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। विपक्षी सदस्य टेबल पलटने लगे, इस पर विस अध्यक्ष ने कहा कि टेबल मत पलटिए, इसके बाद भी विपक्षी विधायक नहीं माने और हंगामा जारी रहा।

मणिपुर में छह महीने और बढ़ा राष्ट्रपति शासन, संसद में प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में पेश किए गए एक प्रस्ताव के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। यह विस्तार 13 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूचना के मुताबिक यह सदन राष्ट्रपति द्वारा मणिपुर के संबंध में 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई उद्घोषणा को 13 अगस्त, 2025 से छह महीने तक बढ़ा दिया है।

कर्नाटक में फिर घमासान: डीके शिवकुमार के साथ कर्नाटक सीएम सिद्धरमैया दिल्ली रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। धुआं तभी उठता है जब आग होती है। कर्नाटक कांग्रेस में सियासी आग को ढंकने की कोशिशों के बीच धुआं उठता लोगों को दिखने लगा है। जहां एक तरफ कांग्रेस की सरकार में सब कुछ ठीक होने का दावा किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ अफरातफरी का महौल बना हुआ है। खबरें है कि कर्नाटक के राजनीतिक हलको में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यकाल पूरा करने को लेकर केवल इसी बात की चर्चा हो रही है कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे या नहीं जबकि वह एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं। इस बीच, सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री व मुख्यमंत्री पद के एक और दावेदार डीके शिवकुमार एक बार फिर दिल्ली रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में सिद्धरमैया अब कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित मुख्यमंत्री बनने के करीब हैं। वह वरिष्ठ नेता देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी करने के करीब हैं।देवराज उर्स 2700 से अधिक दिनों तक मुख्यमंत्री बने रहे थे।

वैसे तो सिद्धरमैया बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन इसके बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या वह तथाकथित 'रोटेशनल फॉर्मूले' के तहत डीके शिवकुमार के लिए पद छोड़ देंगे। शिवकुमार को डीकेएस कहा जाता है। जून माह के बाद से दोनों नेता तीसरी बार दिल्ली गए हैं, जबकि कांग्रेस की राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद को लेकर असहज शांति व्याप्त है। राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान दोनों नेता (सिद्धरमैया व शिवकुमार) कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिल सकते हैं। कांग्रेस नेतृत्व के आदेश के बाद इस बार विधायकों ने मुख्यमंत्री के बदलने के संबंध में खुलकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हालांकि, अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राज्य के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इस बात की अटकलें काफी समय से लगाई जा रही हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदले जा सकते हैं। यह चर्चा सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने के समझौते को लेकर है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने बिहार चुनाव समाप्त होने तक दोनों पक्षों को इंतजार कराने की रणनीति अपनाई है। इस समय सिद्धरमैया देश में कांग्रेस के इकलौते ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि अगर पार्टी उन्हें हटाती है तो इसका असर बिहार चुनाव पर पड़ सकता है क्योंकि यहां ओबीसी मतदाता की चुनाव परिणामों में निर्णायक भूमिका होती है।

सिद्धरमैया के खिलाफकोई कदम उठाया तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं? एक कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कदम ओबीसी हितों के भी खिलाफमाना जाएग क्योंकि राहुल गांधी लगातार इसका (ओबीसी) समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं। जैसे कि वह जातीय जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा उठा रहे हैं। पार्टी पूरी तरह से इस बात को लेकर सतर्क है कि अगर उसने सिद्धरमैया के खिलाफ कोई कदम उठाया तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। सिद्धरमैया को कर्नाटक में अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित समुदायों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है और उन्हें अधिकतर विधायकों का भी विश्वास हासिल है। कांग्रेस ने जब 2023 में राज्य का चुनाव जीता था तो सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा रही थी। पार्टी ने डीकेएस को मना लिया और उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया।

संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कवायद मानी जा रही मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की और कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया। आरएसएस के संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से यह दिल्ली के हरियाणा भवन में यह बैठक आयोजित की गई। इस मुलाकात को संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तीन साल से संघ प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से प्रमुखता से मुस्लिमों और हिंदुओं के बीच की दूरी को पाटने की शुरुआत हुई है।

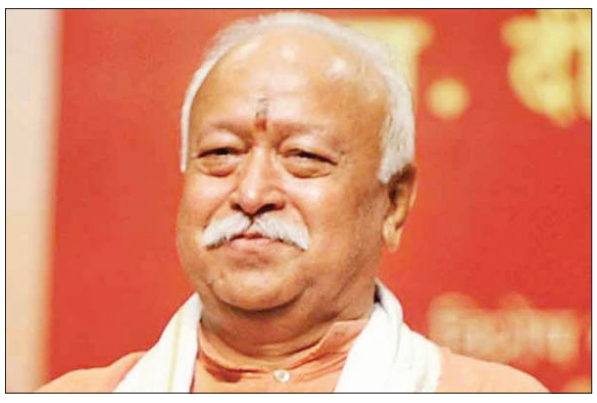

इस बैठक में भागवत के अलावा आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं।भागवत ने 50 से अधिक मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों से मुलाकात की, उनमें अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम उमर अहमद इलियासी, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व चांसलर और मौलाना अबुल कलाम आजाद के पोते फिरोज बख्त अहमद, मौलाना महमूद हसन, मौलाना नजीमुद्दीन, जुबैर गोपलानी के अलावा कई अन्य मौलवियों एवं विद्वान शामिल थे।

गौरतलब है कि सितंबर 2022 में, भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार-प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। उस दौरान ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

हरियाणा भवन में बृहस्पतिवार को हुई बैठक को लेकर संघ की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। फिरोज बख्त ने कहा, भाईचारा सबसे जरूरी मुद्दा रहा। एक खाई बनाने की कोशिश हो रही है, उसे पाटने पर बात हुई। हम अलग-अलग धर्मों को मानते होंगे, लेकिन हम सभी भारतीय हैं। इमाम इलियासी ने कहा कि यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख?या में मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आरएसएस के साथ मीटिंग की है। आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार वर्षों से मुस्लिमि समाज के साथ संवाद कर रहे हैं।

हरिद्वार पहुंचे 5 करोड़ कांवडिए, अपने-अपने घर लौटे पर 10 हजार मीट्रिक टन कचरा बना चुनौती

हरिद्वार (एजेंसी)। 23 जुलाई को कांवड़ मेला संपन्न हो गया है। इसमें में लगभग 5 करोड़ कांवडिया पहुंचे थे। इतनी बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ के कारण 10 हजार मीट्रिक टन कचरा बिखरा पड़ा है। जिसे समेटने और एकत्रित करने में एक हजार से ज्यादा सफाई मित्र पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। गंगा सभा के सदस्य मनीष बताते हैं कि इस कचरे को स्थानीय स्वयंसेवक और नगम निगम के कर्मचारी मिलजुल कर हर की पौड़ी और दूसरे घाटों से हटा रहे हैं। जेसीबी लगी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कूड़ा ढ़ोते देखा जा सकता हैं। जहां ट्रैक्टर नहीं जा पा रहे हैं वहां लोग हाथों से ही इसे उठा रहे हैं।

इस कचरे में अधिकांश सिंगल-यूज प्लास्टिक, मल्टीलेयर प्लास्टिक शामिल हैं। हरिद्वार की दैनिक कचरा निस्तारण क्षमता 30-50 मीट्रिक टन होने के बावजूद, मेले के बाद यह मात्रा कई गुना बढ़ गई है। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मेले के दौरान रोजाना लाखों कांवड़िए पैदल और वाहनों से हरिद्वार पहुंचे, जिसके कारण सफाई वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, जिन क्षेत्रों में सफाईकर्मी पहुंच पाए, वहां नियमित सफाई होती रही, लेकिन मेले के समापन के बाद अब गंदगी का निस्तारण बड़ी चुनौती है।

मेले के समापन के बाद हरिद्वार नगर निगम ने स्वच्छता को लेकर कमर कस ली है। नगर निगम ने 23 जुलाई की शाम से 24 जुलाई की सुबह तक 10 घंटे का विशेष सफाई अभियान चलाया, जिसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को लगाया गया। इसके अलावा, तीन दिवसीय विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है, जिसमें हर की पौड़ी, मालवीय घाट, कनखल घाट, सुभाष घाट, नाई घाट, अलकनंदा घाट, शिव घाट, बिरला घाट, अपर रोड, कांवड़ पटरी मार्ग और अन्य प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। मेयर किरण जैसल ने मंगलवार को मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया और सफाईकर्मियों को कड़े निर्देश दिए कि कहीं भी कूड़े के ढेर नजर नहीं आने चाहिए। इस अभियान में ठोस कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण किया जा रहा है। नगर निगम ने दुकानदारों को कंपोस्टेबल बैग वितरित किए थे, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और कचरे के निस्तारण में मदद कर रहे हैं। इस बार नगर निगम ने सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाइनर बैग प्लस ड्रोन निगरानी मॉडल लागू किया, जो देशभर में चर्चा का विषय बना है। हर 6 घंटे में हर की पौड़ी और आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण किया गया था। ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही थी ताकि सफाई कार्य सुचारु रूप से चल सके। इस पहल की स्थानीय व्यापारियों और श्रद्धालुओं ने सराहना की है।

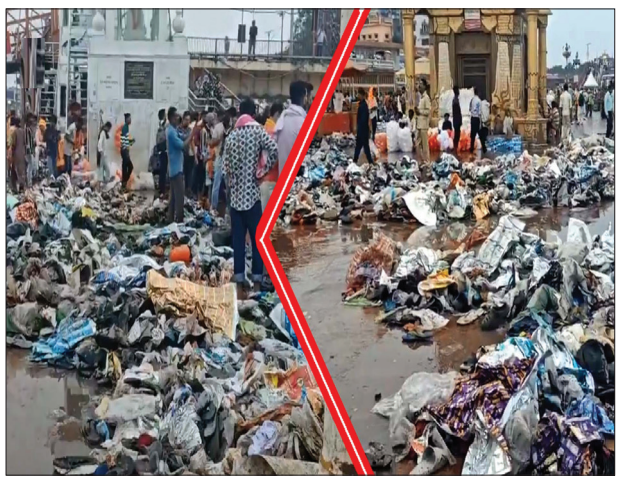

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के लोरेन में फायरिंग, तीन पुलिसकर्मी घायल; एक व्यक्ति की मौत

लोरेन, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के लोरेन शहर में बुधवार दोपहर एक औद्योगिक इलाके में हुई फायरिंग में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह जानकारी लोरेन के मेयर जैक ब्रैडली ने दी। ब्रैडली ने बताया कि दो पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर है और उन्हें एयर एंबुलेंस से ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जबकि तीसरे घायल पुलिसकर्मी का इलाज लोरेन के मर्सी अस्पताल में किया जा रहा है। मेयर ने कहा कि मृत व्यक्ति के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है और उन्हें नहीं पता कि घटना कैसे घटी। पड़ोसी शहर एलिरिया की पुलिस और लोरेन काउंटी के अभियोजक टोनी सिल्लो इस मामले की जांच कर रहे हैं।

ईरान में बिजली बचाने के लिए सरकारी छुट्टी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में बुधवार को बहुत ज्यादा गर्मी और बिजली की खपत कम करने के लिए कुछ इलाकों में सरकारी आदेश पर छुट्टी घोषित की गई। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जिससे बिजली की मांग बढ़ गई और ग्रिड पर दबाव पड़ा। तेहरान समेत आठ प्रांतों में सरकारी दफ्तर और बैंक बंद रहे। लेकिन निजी दुकानदारों ने फिर भी काम जारी रखा। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह अवकाश बिजली बचाने के लिए था। इस फैसले से राजधानी शहर में दो अलग-अलग हालात बन गए। एक तरफ सरकारी दफ्तर और बैंक पूरी तरह बंद थे और दूसरी तरफ निजी दुकानें और शॉपिंग सेंटर चल रहे थे, जहां एयर कंडीशनर चलते रहे। कई लोगों के लिए यह अचानक आई छुट्टी एक राहत की तरह रही। ईरान में गुरुवार को सप्ताहांत होता है, इसलिए लोग राजधानी से बाहर, खासकर ठंडी जगहों की ओर निकल पड़े।

अमेरिका में प्रजनन दर अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंची, मां बनने में महिलाओं की रुचि कम हुई

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भी लोग अब बच्चे पैदा करने से कतरा रहे हैं और इसी का नतीजा है कि अमेरिका में प्रजनन दर साल 2024 में सबसे न्यूनतम रही। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में हर महिला 1.6 बच्चों से भी कम बच्चे पैदा कर रही है। एक समय अमेरिका में औसतन प्रजनन दर प्रति महिला 2.1 बच्चे था, लेकिन बीते दो दशकों से अमेरिका में प्रजनन दर में भारी कमी आई है और अब वहां की महिलाएं या तो बच्चे पैदा करने में लंबा समय ले रही हैं या फिर बच्चे पैदा ही नहीं कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी राहत, उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग से तीन सदस्यों को हटाने की दी मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत देते हुए उनके एक फैसले को मंजूरी दे दी है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग के तीन डेमोक्रेटिक सदस्यों को आयोग से हटा दिया था। हालांकि एक संघीय जज ने ट्रंप के फैसले को गलत बताते हुए उनके आदेश पर रोक लगा दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पक्ष में फैसला दिया है और तीन सदस्यों को हटाने की मंजूरी दे दी। न्याय विभाग ने संघीय जज के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। न्याय विभाग ने दावा किया कि आयोग, राष्ट्रपति ट्रंप के नियंत्रण में है और राष्ट्रपति बिना किसी कारण के आयोग के सदस्यों को हटा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार के तर्क को माना और ट्रंप प्रशासन के पक्ष में फैसला दिया। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग, उपभोक्ताओं को खतरनाक उत्पादों से बचाने और गलत उत्पादों को बाजार से वापस मंगाने, गलत प्रैक्टिस करने वाली कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दायर करने जैसे कई काम करता है। इस आयोग में पांच सदस्य होते हैं।

बांग्लादेश: पूर्व सीजीआई खैरुल हक ढाका में गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। गुरुवार सुबह बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक को उनके धनमंडी स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) ने ये गिरफ्तारी की है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार %ढाका ट्रिब्यून% के मुताबिक डीबी के संयुक्त आयुक्त मोहम्मद नसीरुल इस्लाम के अनुसार एबीएम खैरुल हक के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पूछताछ के लिए उन्हें मिंटो रोड स्थित डीबी मुख्यालय ले जाया गया। फिलहाल गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। खैरुल हक ने 2010 में पदभार ग्रहण करते हुए देश के 19वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। अनिवार्य सेवानिवृत्ति आयु 67 वर्ष होने पर एबीएम खैरुल हक पिछले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। हक को साल 2013 में तीन साल के कार्यकाल के लिए लॉ कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें कई बार इस पद पर पुनः नियुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अप्रैल के अंत में, बीएनपी समर्थक वकीलों के एक मंच, बांग्लादेश जातीयतावादी ऐनजीबी फोरम (बीजेएएफ) ने पूर्व एबीएम खैरुल हक की गिरफ्तारी और मुकदमे की मांग की थी। बीएसएस न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन पर देश की न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है।

युद्ध की कगार पर थाइलैंड और कंबोडिया, एफ-16 विमानों से एयरस्ट्राइक, राजनयिक वापस बुलाए

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद ने गुरुवार को खतरनाक मोड़ ले लिया। दोनों सेनाओं की ओर से गोलीबारी के बाद, थाइलैंड ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर एफ-16 लड़ाकू जेट विमानों से हमला किया है। थाई सेना के अनुसार, यह कार्रवाई सीमा पर बढ़ते तनाव और हाल के हमलों के जवाब में की गई, जिसमें कम से कम दो थाई नागरिकों की मौत हुई और कई घायल हुए। थाई सेना के उप-प्रवक्ता कर्नल रिचा सुक्सुवनन ने पत्रकारों को बताया, ÷हमने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जैसा कि योजना थी।÷ थाइलैंड ने सीमा पर छह एफ-16 जेट तैनात किए हैं, जिनमें से एक ने कंबोडिया में सैन्य ठिकाने को नष्ट कर दिया। दूसरी ओर, कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने फेसबुक पर दावा किया कि थाइलैंड ने उनकी सेना के ठिकानों पर हमला किया, जिसमें ओड्डार मीनचे और प्रीह विहार प्रांतों के मंदिर क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा, ÷कंबोडिया हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की पक्षधर रही है, लेकिन इस सशस्त्र आक्रमण के खिलाफ हमें बल प्रयोग करना पड़ रहा है। थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद लंबे समय से सुर्खियों में है, जिसने दोनों देशों के बीच तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। यह विवाद गुरुवार, 24 जुलाई को थाइलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओड्डार मीनचे प्रांत की सीमा पर स्थित प्राचीन प्रसात ता मुएन थॉम मंदिर के पास हुई गोलीबारी के साथ और गहरा

गया। इस झड़प ने न केवल सैन्य तनाव को बढ़ाया, बल्कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया है।

विवाद का ऐतिहासिक पहलू समझिए : थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद दशकों पुराना है, जिसकी जड़ें औपनिवेशिक काल में फ्रांस द्वारा खींची गई सीमा रेखाओं में निहित हैं। 1863 से 1953 तक कंबोडिया फ्रांसीसी शासन के अधीन था, और 1907 में फ्रांस ने एक नक्शा जारी किया जिसमें प्रेह विहेयर मंदिर और आसपास के क्षेत्र को कंबोडिया में दिखाया गया। थाइलैंड ने इस नक्शे को मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनका दावा है कि प्रेह विहेयर मंदिर और कुछ अन्य क्षेत्र, जैसे प्रसात ता मुएन थॉम, उनकी सीमा के भीतर आते हैं। यह विवाद 2008 में और तीखा हो गया जब प्रेह विहेयर मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया, जिसे थाइलैंड ने अपनी संप्रभुता पर हमला माना। प्रसात ता मुएन थॉम थाइलैंड के सुरिन प्रांत में स्थित है, लेकिन इस पर कंबोडिया दावा करता है। यह जगह लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रही है। यह क्षेत्र सामरिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, और दोनों देश इसे अपने क्षेत्र का हिस्सा मानते हैं। 24 जुलाई को सुबह प्रसात ता मुएन थॉम मंदिर के पास दोनों देशों की सेनाओं के बीच गोलीबारी शुरू हुई। थाई सेना के अनुसार, कंबोडियाई सैनिकों ने एक निगरानी ड्रोन तैनात किया और छह सशस्त्र सैनिक थाई सैन्य चौकी के पास पहुंचे, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हुई। ताजा घटनाक्रम के बाद थाईलैंड ने कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इन हमलों के बाद दोनों देशों में भीषण युद्ध की आशंका और गहरा गई है। थाइलैंड ने दावा किया कि कंबोडियाई सेना ने पहले हमला किया। वहीं, कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के उनके क्षेत्र में घुसपैठ की और गोलीबारी शुरू की। इस झड़प में कम से कम दो सैनिक घायल हुए, और थाइलैंड की ओर से जारी एक लाइवस्ट्रीम वीडियो में स्थानीय लोग अपने घरों से भागकर कंक्रीट के बंकरों में छिपते दिखे। गोलीबारी के दौरान धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं। इस घटना से पहले, बुधवार को उबोन रत्चाथानी प्रांत में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक थाई सैनिक का पैर उड़ गया, और चार अन्य सैनिक घायल हो गए। थाइलैंड ने दावा किया कि ये सुरंगें हाल ही में कंबोडिया द्वारा बिछाई गई थीं, और ये रूस निर्मित थीं, जो थाई सेना के पास नहीं हैं। कंबोडिया ने इस आरोप का खंडन किया और कहा कि विस्फोट उनके प्रियह विहार प्रांत में हुआ।

समंदर में किनारे नहीं लगने दिया इजरायली जहाज, 1600 यात्री थे सवार, मजबूरी में बदला रूट

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल के खिलाफ दुनिया भर में फिलिस्तीन समर्थक ऐक्टिव हैं। पिछले दिनों अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों से लेकर सड़कों तक पर इजरायल के लोगों का विरोध हुआ था। यही नहीं इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों की वॉशिंगटन में गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब ग्रीस में इजरायल के एक जहाज को समंदर के किनारे पर रुकने नहीं दिया गया। इसके चलते जहाज को मजबूरन वापस लौटना पड़ा। जहाज में 1600 यात्री सवार थे। ये प्रदर्शनकारी नारेबाजी कर रहे थे और नो-एंट्री टू इजरायल चिल्ला रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन के चलते जहाज को वापस लौटना पड़ा और फिर साइप्रस के रास्ते आया। क्राउन इरिस नाम का क्रूज शिप 6 घंटे की यात्रा करके पहुंचा था, लेकिन उसे रुकने ही नहीं दिया गया। जहाज को ग्रीस के सायरोस में रुकना था और कुछ यात्रियों को उतरना था। फिर विरोध ऐसा हुआ कि जहाज को वापस ले जाया गया और वह साइप्रस के रास्ते अपनी मंजिल पर पहुंचा। इस जहाज को लिमासोल जाना था, जो साइप्रस का ही दूसरा सबसे बड़ा शहर है। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक जिस जहाज को रुकने ही नहीं दिया गया, उसमें करीब 400 बच्चे भी सवार थे। जहाज में सवार लोगों और क्रू मेंबर का कहना था कि बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी बैठे थे। ऐसे में विरोध प्रदर्शन हिंसक होने से उनकी जान को खतरा हो सकता था। उन्हें बचाने के लिए ही जहाज को वहां से आगे बढ़ा लिया गया। जहाज में सवार लोगों को सुरक्षा के नजरिए से अंदर ही बने रहने को कहा गया। उनसे खिड़कियां और दरवाजे बंद करने को कहा गया।

कोलंबिया विश्वविद्यालय की ट्रंप प्रशासन से डील, संघीय फंडिंग के बदले सरकार को मिलेंगे 22 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन, एजेंसी। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने बुधवार को बताया कि उनकी ट्रंप प्रशासन के साथ एक समझौते पर सहमति बन गई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय प्रशासन संघीय सरकार को 22 करोड़ डॉलर से ज्यादा का भुगतान करेगा और इसके बदले में संघीय सरकार, विश्वविद्यालय की संघीय रिसर्च फंडिंग को बहाल करेगी। ट्रंप सरकार ने बीते साल विश्वविद्यालय परिसर में बड़े पैमाने पर हुए यहूदी विरोधी विरोध प्रदर्शनों से नाराज होकर संघीय फंडिंग रोकने का एलान किया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि समझौते के तहत कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रशासन तीन साल में सरकार को 20 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगी। व्हाइट हाउस ने बताया कि साथ ही दो करोड़ डॉलर से ज्यादा की राशि विश्वविद्यालय परिसर के भीतर यहूदी कर्मचारियों के नागरिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए दिए जाएंगे। इस्राइल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमले के बाद इस्राइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ गया, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। इस्राइल के गाजा पर हमलों के खिलाफ अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में इस्राइल और यहूदी विरोधी प्रदर्शन हुए। ट्रंप प्रशासन द्वारा फंडिंग रोकने के बाद विश्वविद्यालय को सरकार से मिलने वाले अरबों डॉलर पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए थे।

पत्नी पर अपमानजनक दावे से भड़के फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों, अमेरिकी पॉडकास्टर पर मानहानि का केस

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रहे हैं। पिछले दिनों एक अमेरिकी पॉडकास्टर ने दावा किया था कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी पहले पुरुष हुआ करती थीं। उस अपमानजनक दावे पर मैक्रों ने अब अदालत का रुख किया है। इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट ने बुधवार को उसी अमेरिकी पॉडकास्टर कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर कैंडेस ओवेन्स के लाखों फॉलोअर्स हैं। मैक्रों ने डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ 218 पन्नों की शिकायत दर्ज कराई है और उनसे हर्जाने की मांग की है। अपने वकील द्वारा जारी एक बयान में मैक्रों ने कहा कि उन्होंने यह मुकदमा तब दायर किया, जब ओवेन्स ने ÷बीकमिंग ब्रिगिट÷ नामक आठ-भाग वाली यूट्यूब और पॉडकास्ट श्रृंखला में दिए गए झूठे और मानहानिकारक बयानों को वापस लेने के अनुरोधों को बार-बार नजरअंदाज कर दिया।

हमने उन्हें पीछे हटने का हर मौका दिया : उन्होंने कहा, ÷ओवेन्स ने यह मानहानिकारक अभियान हमें और हमारे परिवार को परेशान करने, पीड़ा पहुँचाने, मानहानि करने, लोगों का ध्यान खींचने, पैसे कमाने और हमें बदनाम करने के लिए चलाया था। इसके बावजूद हमने उन्हें इन दावों

से पीछे हटने का हर मौका दिया, लेकिन उन्होंने हर बार इनकार कर दिया।÷ अब सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमें पूरी उम्मीद है कि यह मुकदमा सारी बातें साफ कर देगा और मानहानि के इस अभियान को हमेशा के लिए खत्म कर देगा।÷

परिवार को बदनाम करने की कोशिश : इस मुकदमे में ओवेन्स पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपने लोकप्रिय पॉडकास्ट का इस्तेमाल मैक्रों और उनके परिवार के बारे में झूठे दावे करने और उस परिवार को बदनाम करने के लिए किया है। इसमें यह भी कहा गया है कि ओवेन्स ने ब्रिगिट मैक्रों पर अपमानजनक टिप्पणी की और दावे किए कि वह एक पुरुष के रूप में पैदा हुई थीं और वे आपस में रक्त संबंधी हैं। सर्वोच्च अदालत में भी अपील बता दें कि 72 वर्षीय ब्रिगिट मैक्रों ने भी अपने पुरुष के रूप में पैदा होने के दावों के खिलाफ फ्रांस की अदालतों का रुख किया है। इसी तरह के एक अन्य मामले में पिछले साल सितंबर में फ्रांस की निचली अदालत ने दो महिलाओं (अमंडाइन रॉय और नताशा रे) को दोषी ठहराया था। दिसंबर 2021 में एक यूट्यूब वीडियो पोस्ट करके इन महिलाओं पर झूठे दावे फैलाने का आरोप लगाया गया था।

नेतन्याहू की हत्या की साजिश रचने वाली 70 वर्षीय महिला गिरफ्तार, आईडी ब्लास्ट के जरिये हमले की थी तैयारी

तेल अवीव, एजेंसी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की साजिश करने के शक में इस्राइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने बुधवार को एक 70 साल की बुजुर्ग महिला को गिरफ्तार किया है। इस्राइली न्यूज कान पब्लिक ब्रॉडकास्टर की रिपोर्ट के मुताबिक महिला पर आरोप है कि वह आईडी ब्लास्ट के जरिए नेतन्याहू पर हमला करने की साजिश रच रही थी। गुरुवार को महिला के खिलाफ अपराध की साजिश रचने और आतंकी कार्रवाई करने की साजिश के आरोप में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को दो हफ्ते पहले भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसे कुछ शर्तों के साथ रिहा कर दिया गया था। इन शर्तों में उसे सभी सरकारी संस्थानों में प्रवेस करने और प्रधानमंत्री के करीब जाने से प्रतिबंधित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, यह महिला जानी-मानी सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी है। उसने अन्य प्रदर्शनकारियों

से हथियार हासिल करने और प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेने की कोशिश की थी। अदालत ने महिला की पहचान को गोपनीय रखने कहा था, लेकिन जांचकर्ताओं की अपील पर बुधवार को गोपनीयता का आदेश हटा लिया गया। हालांकि जांच पूरी होने के बाद भी पुलिस ने महिला की पहचान को उजागर नहीं किया है। पुलिस ने कहा कि स्टेट अटॉर्नी ऑफिस और सरकारी वकील को आगे की कार्रवाई और चार्जशीट के लिए जरूरी दस्तावेज सौंप दिए गए हैं।

पिछले साल भी हमला हुआ था : यह पहली बार नहीं है जब इस्राइली पीएम पर हमला हुआ है। पिछले साल अक्तूबर पर नेतन्याहू के सीजेरिया स्थित घर पर फिर से हमला हुआ था। नेतन्याहू के घर की तरफ 2 फ्लेयर्स (आग के गोले) दागे गए, जो घर के आंगन में गिरे थे। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनका परिवार परिवार घर पर नहीं थे। इससे पहले भी नेतन्याहू के घर पर हिजबुल्ला ने हमला किया था। तब एक ड्रोन नेतन्याहू के घर के पास एक इमारत पर गिरा था। उस समय भी नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे।

ईरान पर हो रहा शक : दोनों देशों के बीच हुआ हालिया युद्ध के बाद ईरान से नेतन्याहू की हत्या के आह्वान की आवाजें उठी हैं। ऐसे में इस महिला को लोग ईरान से जोड़कर भी देख रहे हैं कि ईरान भी अपना खुफिया जाल इस्राइल में बना रहा है।

ओबामा ने 2016 के चुनावों में किया अमेरिकी खुफिया जानकारी का गलत इस्तेमाल, गबार्ड ने जारी किए दस्तावेज

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने बुधवार को नए दस्तावेज जारी कर ओबामा पर 2016 चुनावमें अमेरिकी खुफिया जानकारी का गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। गबार्ड ने कहा कि ओबामा ने इस झूठ को बढ़ावा दिया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2016 का चुनाव जीतने में मदद की थी। सोशल मीडिया पोस्ट में गबार्ड ने कहा, अमेरिकी इतिहास में खुफिया जानकारी के सबसे भयावह हथियारीकरण और राजनीतिकरण के नए सबूत सामने आए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर मैंने हाउस इंटेलिजेंस कमेटी की निगरानी रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया है, जो इस बात का खुलासा करती है कि कैसे ओबामा प्रशासन ने जनवरी 2017 के इंटेलिजेंस कम्युनिटी असेसमेंट को गढ़ा, जिसके बारे में उन्हें पता था कि वह गलत है। उन्होंने इस झूठ को बढ़ावा दिया कि व्लादिमीर पुतिन और रूसी सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप को 2016 का चुनाव जीतने में मदद की थी। ऐसा करके, उन्होंने अमेरिकी जनता की इच्छा को कुचलने की साजिश रची, मीडिया में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस झूठ को बढ़ावा दिया, ताकि राष्ट्रपति ट्रंप की वैधता को कमजोर किया जा सके।

ओबामा पर लगाए हैं धोखाधड़ी का आरोप : उन्होंने पूर्व डीएनआई जेम्स क्लैपर, सीआईए निदेशक

जॉन ब्रेनन और एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी पर झूठी खुफिया रिपोर्ट तैयार कराने का आरोप लगाया। गबार्ड ने इसे 'देशद्रोही साजिश' करार दिया और कहा कि यह सब ट्रंप को कमजोर करने और एक लंबे समय तक चली साजिश की नींव थी। गबार्ड ने दावा किया कि ओबामा प्रशासन ने मीडिया में झूठी खबरें फैलाने के लिए जानबूझकर गोपनीय सूचनाएं लीक कीं। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन पोस्ट जैसी प्रमुख मीडिया संस्थाओं में यह खबर फैलाई गई कि रूस ने ट्रंप की जीत में साइबर हमला कर दखल दिया। गबार्ड के अनुसार, 6 जनवरी 2017 को जारी की गई नई खुफिया रिपोर्ट भी एक फर्जी दस्तावेज पर आधारित थी जिसे पहले ही अविश्वसनीय माना जा चुका था। इस तरह ओबामा ने ट्रंप के खिलाफ वर्षों तक असफल तख्तापलट का प्रयास किया। दूसरी तरफ, गबार्ड के इस बयान के खिलाफ ओबामा के कार्यालय के प्रवक्ता पैट्रिक रोडेनबुश ने कहा, यह आरोप हास्यास्पद हैं।

यूक्रेन में जेलेंस्की के खिलाफ विरोध प्रदर्शन:नया कानून लाए, भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों की आजादी खत्म की

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के 3 साल बाद पहली बार यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों में राष्ट्रपति जेलेंस्की के खिलाफ आम जनता और सैनिक सड़कों पर उतर आए। यूक्रेन की संसद ने हाल ही में एक कानून पास किया है, जिसके तहत 2 प्रमुख भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं, नेशनल एंटी-करप्शन ब्यूरो ऑफ यूक्रेन (एनएबीयू) और स्पेशलाइज्ड एंटी-करप्शन प्रोसिक्यूटर ऑफिस (एसएपीओ) पर निगरानी बढ़ाई जाएगी।

आलोचकों का कहना है कि यह कानून इन संस्थाओं की आजादी छीन लेगा और राष्ट्रपति जेलेंस्की के नियुक्त किए गए अटॉर्नी जनरल को जांच का नियंत्रण देगा। इस फैसले से पारदर्शिता, लोकतंत्र और युद्ध के मूल उद्देश्यों को आघात पहुंचा है।

कई घायल सैनिकों ने इसे मोर्चे पर लड़ रहे जवानों के साथ विश्वासघात बताया। इस कदम की यूरोपीय संघ और जी-7 देशों ने भी आलोचना की है, जिससे यूक्रेन की ईयू सदस्यता की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। यूक्रेन के लिए भ्रष्टाचार से लड़ना अहम है, क्योंकि यह यूरोपीय संघ में शामिल होने और पश्चिमी देशों से मिल रही अरबों डॉलर की मदद को बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस कानून के पास होने से यूक्रेन में लोगों में गुस्सा है। कई लोगों का कहना है कि रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों से ज्यादा यह कानून नैतिक रूप से बड़ा झटका है।

जेलेंस्की ने कहा- भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए जरूरी कानून को लेकर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि करोड़ों डॉलर की भ्रष्टाचार जांचें लंबित थीं और एजेंसियों की जवाबदेही तय करना जरूरी हो गया था। देश

में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए यह जरुरी है। यूक्रेन सरकार ने कहा है कि युद्ध के दौरान यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी था। सरकार का कहना है है कि इन एजेंसियों में रूसी खुफिया एजेंसियों की घुसपैठ हो चुकी थी, इसलिए उन्हें अटॉर्नी जनरल के अधीन लाना जरूरी हो गया। विपक्ष- एजेंसियों पर काबू चाहते हैं जेलेंस्की यूक्रेनी विपक्ष ने फैसले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका आरोप है कि यह कानून लोकतंत्र को कमजोर करने और पूरी सत्ता को जेलेंस्की के कब्जे में लाने की कोशिश है। उनका कहना है कि पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते 3 साल से जेलेंस्की चुनाव नहीं करा रहे रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ने आरोप लगाया कि जेलेंस्की युद्ध का बहाना बनाकर चुनाव नहीं करा रहे और सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों संस्थाओं ने बयान जारी किया नए कानून को लेकर दोनों संस्थाओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, अगर यह कानून लागू हुआ, तो एसएपीओ का प्रमुख सिर्फ नाम का रह जाएगा, और एनएबीयू अपनी आजादी खोकर प्रॉसिक्यूटर जनरल के ऑफिस का हिस्सा बन जाएगा। यूरोपीय संघ की विस्तार आयुक्त मार्टा कोस ने इस कानून पर चिंता जताई। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह कदम यूक्रेन को पीछे ले जाएगा है। एनएबीयू और एसएपीओ जैसी स्वतंत्र संस्थाएं यूक्रेन के ईयू में शामिल होने के रास्ते के लिए बहुत जरूरी हैं। कानून का शासन ईयू में शामिल होने की शर्तों के केंद्र में है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के टेंपो ड्राइवर को मुंबई में हनीट्रैप का शिकार बनाया गया

महिला के साथ होटल में नशा कर वीडियो बनाकर 10 लाख की फिरौती मांगी,एक आरोपी को किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के एक टेंपो ड्राइवर से मुंबई में हनीट्रैप के जरिए 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस संबंध में ड्राइवर की शिकायत पर पांडेसरा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को आरोपी के मोबाइल से एक वीडियो भी मिला है जिसमें लड़की को यह सिखाया जा रहा है कि पुलिस को क्या और कैसे बताना है।

एक 31 वर्षीय टेंपो ड्राइवर ने पांडेसरा थाने में शिकायत दर्ज करवाई कि 18 जुलाई 2025 को सुबह करीब 9 बजे आर्यन अरविंद वर्मा नाम का शख्स उसके घर आया। उसने बताया कि मुंबई में उसने पानीपुरी की लारी बनवाई है और उसे ले जाना है। किराया तय होने के बाद वे रात 9 बजे मुंबई के लिए निकले।

शिकायतकर्ता अपने टेंपो से देवकी नंदन स्कूल के पास पहुंचा जहां आर्यन वर्मा और संजोग महंतो उसके साथ जुड़ गए। अगले दिन सुबह वे मुंबई के ठाणे रोड पहुंचे जहां सनी नाम का एक और व्यक्ति मिला। सनी उन्हें नाश्ते पर ले गया और फिर वसई के समंदर किनारे एक ब्रिज पर चलने को कहा। वसई पहुंचकर उन्होंने शराब पी और फिर एक होटल में दो कमरे बुक किए।

एक कमरे में शिकायतकर्ता, आर्यन और सनी रुके और दूसरे में संजोग और एक अज्ञात लड़की। थोड़ी देर बाद आर्यन शिकायतकर्ता को संजोग वाले कमरे में ले गया, जहां लड़की अकेली थी। लड़की ने शिकायतकर्ता से कपड़े उतारने और शारीरिक संबंध बनाने को कहा। लेकिन शिकायतकर्ता ने इनकार कर दिया और कपड़े पहनकर दूसरे कमरे में चला गया।

आर्यन ने उससे कहा कि वह गाड़ी चलाकर आराम करे और फिर आर्यन, संजोग और सनी ब्रिज की ओर चले गए। एक घंटे बाद वे वापस लौटे और फिर सब सूरत के लिए रवाना हो गए। वलसाड के पास आर्यन ने मोबाइल में होटल के कमरे का वीडियो दिखाया और धमकी दी कि यदि उसने पैसे नहीं दिए तो रेप के केस में फंसा देंगे।

सूरत पहुंचते-पहुंचते आर्यन और सनी लगातार धमकियां देते रहे। सचींन इलाके में पहुंचने पर आर्यन ने शिकायतकर्ता का मोबाइल छीन लिया और उसे धमकाकर जबरन 40 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए।

इसके बाद वे वेसु स्थित एक होटल में गए, जहां शिकायतकर्ता और सनी रुके, जबकि आर्यन और संजोग उसका मोबाइल लेकर चले गए। एक घंटे बाद वे लौटे और आर्यन ने शिकायतकर्ता से कपड़े उतारकर यह कहने को कहा कि उससे गलती हो गई है और आगे ऐसा नहीं होगा। इसका वीडियो भी बनाया गया। आर्यन ने शिकायतकर्ता से उसकी पत्नी को फोन कर झूठ बोलने को कहा कि वलसाड के पास एक्सिडेंट हो गया है और गांववालों ने उसे पीटा है। फिर कॉल काट दिया। बाद में आर्यन ने शिकायतकर्ता से कहा कि अब उन्हें सापुतारा जाना है।

पलसाणा से नवसारी जाते समय शिकायतकर्ता की पत्नी का फोन आया। सनी ने कॉल उठाया और कहा कि वे उसके पति को ला रहे हैं। पत्नी ने वहीं रुकने को कहा, लेकिन सनी ने मना कर दिया।

डिंडोली क्षेत्र के प्रमुख पार्क ब्रिज के पास आर्यन और सनी ने शिकायतकर्ता को टेंपो से उतार दिया और खुद टेंपो लेकर निकल गए। उन्होंने धमकी दी कि अगर उसने 10 लाख रुपये नहीं दिए तो वीडियो वायरल कर देंगे और उसके परिवार को जान से मार देंगे।

शुरुआत में शिकायतकर्ता डर गया था इसलिए उसने रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई। लेकिन पत्नी के कहने पर उसने आर्यन वर्मा, संजोग महंतो और सनी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूरत के सिवाणगाम पंचायत में ACB की कार्रवाई

तलाटी और कंप्यूटर ऑपरेटर को 7,000 की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले की ओलपाड़ तहसील की सिवाणगाम ग्राम पंचायत में एक तलाटी और एक कंप्यूटर ऑपरेटर को एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने 7,000 की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

इस मामले में 45 वर्षीय भरतभाई नाथुभाई चौधरी, जो सिवाणगाम ग्राम पंचायत में तलाटी कम मंत्री (क्लास-3) के रूप में कार्यरत हैं, और 22 वर्षीय प्रगति बेन पटेल, जो अनुबंध आधार पर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्य करती हैं — दोनों आरोपी हैं।

शिकायतकर्ता ने सिवाणगाम पंचायत क्षेत्र में दो प्लॉटों पर निर्माण करवाया था। इस निर्माण की मूल्यांकन प्रक्रिया (आकारणी) करवाने के लिए आरोपियों ने 7,000 की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने ACB से संपर्क किया।

ACB ने रिश्वत के लेन-देन को पकड़ने की योजना बनाई। शिकायतकर्ता ने आरोपियों से योजनाबद्ध बातचीत की। आरोपियों ने एक-दूसरे की मिलीभगत से 7,000 की रिश्वत की राशि स्वीकार की, और उसी समय मौके पर पकड़ लिए गए।

यह ऑपरेशन 25 जुलाई, 2025 को सिवाणगाम पंचायत तलाटी कार्यालय में अंजाम दिया गया। ट्रैपिंग अधिकारी के रूप में श्री एस.डी. धोबी (पुलिस इंस्पेक्टर, सूरत ग्रामीण ACB) और ACB स्टाफ ने कार्रवाई की।

सुपरवाइजिंग ऑफिसर के रूप में श्री आर.आर. चौधरी, सहायक निदेशक, ACB सूरत इकाई ने निगरानी रखी। इस मामले में कुल 7,000 की रिश्वत की मांग की गई थी और वह पूरी राशि ACB ने बरामद कर ली है।

17 मामलों का आरोपी मोबाइल स्नैचर पकड़ा गया

भेस्तान से 13 किमी दूर मोबाइल छीनने CISF सब-इंस्पेक्टर ने बहादुरी से पकड़ लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेसु क्षेत्र में सुबह मॉर्निंग वॉक कर रहे सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (CISF) के एक हेड कॉन्स्टेबल पर एक मोबाइल स्नैचर ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हालांकि, CISF के बहादुर सब-इंस्पेक्टर ने लगभग एक किलोमीटर तक पीछा करके इस आदतन अपराधी को पकड़ लिया। आरोपी मोबाइल स्नेचिंग की नीयत से भेस्तान से करीब 13 किलोमीटर दूर, शहर के पॉश इलाके वेसु स्थित जिला पंचायत कार्यालय के पास CISF कॉलोनी तक पहुंचा था।

CISF के हेड कॉन्स्टेबल जंग बहादुर सुबह करीब 7:30 बजे मॉर्निंग वॉक कर रहे थे, तभी पीरूखान पठान नाम के एक मोबाइल स्नैचर ने उनका मोबाइल छीनने की कोशिश की। जब जंग बहादुर ने बहादुरी से विरोध किया तो आरोपी ने उनके दाहिने हाथ पर चाकू से दो वार किए जिससे उन्हें चोटें आईं।

घटना को देखकर CISF के सब-इंस्पेक्टर गजेन्द्रसिंह, जो सूरत एयरपोर्ट यूनिट में तैनात हैं, तुरंत मदद के लिए दौड़े। मोबाइल स्नैचर मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन गजेन्द्रसिंह ने करीब एक किलोमीटर तक उसका पीछा किया। इस दौरान आरोपी ने गजेन्द्रसिंह पर भी चाकू से जानलेवा हमला किया। चाकू उनके यूनिफॉर्म की बाईं कंधे की तरफ फट गया। दूसरी बार किए हमले में चाकू उनके बाएं हाथ के कोहनी के नीचे वाले हिस्से पर लगा जिससे उन्हें चोट आई।

इसके बावजूद गजेन्द्रसिंह ने हार नहीं मानी और आरोपी से चाकू व हेड कॉन्स्टेबल जंग बहादुर का मोबाइल फोन वापस लेकर उसे पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी पीरूखान पठान ने गजेन्द्रसिंह को धमकी दी कि वह जेल से छूटकर उसे जान से मार देगा। उमरा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की एक बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि पीरूखान पठान के खिलाफ पहले से मोबाइल स्नैचिंग के 13 केस दर्ज हैं और उसे एक बार पासा (गुजरात पुलिस एक्ट के तहत) भी किया जा चुका है। इस नए मामले के बाद उस पर हत्या की कोशिश, लूट और हथियारबंदी अधिनियम के उल्लंघन जैसे तीन और केस दर्ज हुए हैं, जिससे उसके कुल आपराधिक मामलों की संख्या अब 17 हो गई है।

टेलीफिशिंग गैंग के दो आरोपी मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

वेबसाइट डिजाइनर ने जूडियो फ्रेंचाइज़ी के नाम पर सूरत के व्यापारी से ठगे 31 लाख

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के चिखली इलाके में स्थित अपनी दुकानें टाटा जूडियो कंपनी को किराए पर देने के इरादे से गूगल पर जानकारी तलाश रहे सूरत के एक व्यापारी को 31 लाख रुपये की ठगी का शिकार होना पड़ा। इस मामले में साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद पुलिस ने मध्य प्रदेश से दो ठगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें से एक आरोपी वेबसाइट डिज़ाइनर है।

सूरत के रांदेर क्षेत्र की साईं आशिष सोसायटी में रहने वाले अनुराग राजकुमार हीरानी नवसारी के चिखली में अपनी कुछ कमर्शियल दुकानें रखते हैं। उन्होंने तय किया कि वे अपनी दुकानें टाटा जूडियो कंपनी को फ्रेंचाइज़ी के तौर पर किराए पर देंगे। 22 मार्च को उन्होंने जूडियो की ईमेल आईडी गूगल पर सर्च की और जूडियो हेल्पलाइन से प्राप्त एक ईमेल आईडी पर अपनी दुकानें किराए पर देने के लिए मेल भेजा।

कुछ दिन बाद उन्हें उस ईमेल पर जवाब मिला। सामने वाले पक्ष ने जूडियो कंपनी के नाम पर फ्रेंचाइज़ी देने की तत्परता दिखाई और कंपनी के नाम से विभिन्न लेटर भेजे। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फीस, NOC, करार शुल्क आदि के नाम पर किश्तों में पैसे मांगने शुरू किए गए। अलग-अलग बहानों से कुल 31 लाख की ठगी की गई। लेकिन जब फ्रेंचाइज़ी नहीं मिली और लगातार और पैसे मांगे जाने लगे, तो व्यापारी को संदेह हुआ।

जांच में पता चला कि व्यापारी एक टेलीफिशिंग गैंग का शिकार हुआ है। इसके बाद सूरत साइबर क्राइम पुलिस ने जांच कर मध्य प्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी:

रवि मनोहर पाटीदार: यह आरोपी IT सेक्टर, वेबसाइट डेवेलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट मार्केटिंग का

जानकार है। उज्जैन में "Ne&an Tech | Digital Marketing | Software Company" नाम से कंपनी चलाता था और डिजिटल सेवाओं के नाम पर लोगों को ठगता था।

प्रशांत मोहनदास कसेरा: इस आरोपी ने रवि पाटीदार का संपर्क बिहार के घूमते फिरते ठगों से व्हाट्सएप के जरिए करवाया था, जिससे ऑनलाइन ठगी की पूरी श्रृंखला खड़ी हुई। इस मामले में साइबर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

किशोरी की करतूत घर में चोरी करते हुए उजागर हुई

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 93 हजार नकद और गहने हड़पे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कापोदरा क्षेत्र में रहने वाली किशोरी को सोशल मीडिया पर फंसाकर लसकाणा के युवक द्वारा निर्वस्त्र कर ब्लैकमेल करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया युवक ने वीडियो कॉल के जरिए किशोरी को निर्वस्त्र कराया और उसके स्क्रीनशॉट लेकर वायरल करने की धमकी दी। इस धमकी के चलते किशोरी से 93,000 नकद और सोने के आभूषण भी हड़प लिए गए। हालांकि, जब किशोरी घर में चोरी करते हुए पकड़ी गई तो पूरा मामला उजागर हो गया। उसने सारी सच्चाई परिजनों को बताई। इसके बाद परिवारजनों ने तुरंत कापोदरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

एक नाबालिग किशोरी ने सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी से डरकर घर से 93,000 नकद और कीमती गहने निकालकर आरोपी को सौंप दिए। इस पूरे मामले का पर्दाफ तब हुआ जब किशोरी घर में ही चोरी करते हुए पकड़ी गई।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवक ने किशोरी को पहले सोशल मीडिया पर फंसाया और फिर वीडियो कॉल के जरिए उसका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। बाद में उसने यह वीडियो वायरल करने की धमकी दी और किशोरी से कहा कि अगर उसने चुप रहना है तो पैसे और गहने लाकर दे।

डर के मारे किशोरी ने अपने ही घर से 93 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के गहने चुराकर आरोपी को दे दिए। जब परिवारवालों को घर में चोरी का पता चला तो उन्होंने सख्ती से पूछताछ की, जिसमें पूरी सच्चाई सामने आ गई।

परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, ब्लैकमेलिंग, और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

युवक ने उसे बहला-फुसलाकर अपने प्रेमजाल में फंसाया और वीडियो कॉल के दौरान उसके कपड़े उतरवाकर उसे निर्वस्त्र कर दिया था। इस दौरान युवक ने उसके स्क्रीनशॉट भी ले लिए थे। और स्क्रीनशॉट वायरल करने की धमकी देकर वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। बाद में युवक ने किशोरी से 93,000 नकद, दो सोने की चूड़ियां और दो सोने की बालियां भी हड़प लीं। जब घर में यह पूरी सच्चाई सामने आई, तो परिजनों ने कापोदरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया।

जब घर से गहने गायब होने की बात परिवार को पता चली, तब बेटी ने सारी सच्चाई परिवारजनों को बता दी। इसके बाद परिजनों ने कापोदरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई।

पुलिस ने आरोपी करण हीरपरा के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी को साथ लेकर घटना का री-कंस्ट्रक्शन (पुनर्निर्माण) भी किया गया।